राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार 23 सितंबर 2024 वर्ष-7,अंक-241 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कानपुर में ट्रैक पर सिलेंडर, एमपी में ट्रैक पर डेटोनेटर

57 दिन में ट्रेन पलटने की 23 कोशिशें,केंद्र रेल एक्ट बदलेगा,देशद्रोह का केस चलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कानपुर में प्रेमपुर स्टेशन के पास गुड्स ट्रेन को बेपटरी करने की साजिश रची गई। ट्रैक पर एक छोटा सिलेंडर रखा मिला। रविवार सुबह करीब 6 बजे लूप लाइन पर लोको पायलट ने सिलेंडर देखते ही इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को सिलेंडर से 10 फीट पहले ही रोक लिया। देश में ट्रेन को बेपटरी करने की यह 57 दिन में 23वीं कोशिश है। इससे पहले 20 सितंबर को सूरत में रेलवे ट्रैक से छेड़छाड़ की गई थी। इस मामले की जांच एनआईए को सौंपी गई है। वहीं, 18 सितंबर को मध्य प्रदेश के नेपानगर में दिल्ली-मुंबई रेलवे ट्रैक पर डेटोनेटर बिछाए गए थे। इससे आर्मी अफसरों की ट्रेन को बेपटरी करने की कोशिश की गई। हालांकि रेलवे अधिकारी अलर्ट हो गए थे। उन्होंने ट्रेन रुकवा दी थी। ट्रेन को बेपटरी करने की

बढ़ती कोशिशों को देखते हुए केंद्र सरकार रेलवे एक्ट में संशोधन करने जा रही है। इस बारे में जल्द अधिसूचना जारी हो सकती है। इसके तहत हादसे की साजिश करने पर देशद्रोह का केस दर्ज किया जाएगा। कानपुर के प्रेमपुर स्टेशन पर सिलेंडर रखे होने की सूचना मिलते ही रेलवे के सीनियर अफसर, आरपीएफ, जीआरपी और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे। अफसरों ने बताया कि मालगाड़ी कानपुर से प्रयागराज जा रही थी। ट्रैक पर रखा 5 किलो का सिलेंडर खाली था। यूपी में 38 दिनों में ट्रेन पलटाने की यह 5वीं साजिश है। इससे पहले कानपुर में ही 8 सितंबर को भरा सिलेंडर रखकर कालिंदी एक्सप्रेस को डिरेल करने की साजिश रची गई थी। 18 सितंबर को मध्य प्रदेश के बुरहानपुर से आर्मी की ट्रेन गुजरने वाली थी। ट्रेन खंडवा से होते हुए तिरुवनंतपुरम जा रही थी। इसमें आर्मी के अफसर, कर्मचारी और काफी असलाह मौजूद था। रेलवे सूत्रों के मुताबिक, सागफाटा के पास ट्रैक पर 10 डेटोनेटर करीब एक से डेढ़ फीट के अंतराल से रखे गए थे।

संक्षिप्त समाचार

कुछ बड़ा होने वाला है जल्दी लेबनान छोड़ो

- अमेरिका समेत कई देशों का अपने नागरिकों को अलर्ट

बेरूत (एजेंसी)। हिजबुल्लाह आतंकियों पर इजरायल के बढ़ते हमलों के बीच अमेरिका, फ्रांस, कनाडा और ब्रिटेन की सरकारों ने लेबनान में रह रहे अपने नागरिकों को सलाह दी है कि जितना जल्दी हो सके, देश छोड़ दें। अमेरिकी विदेश विभाग ने आग्रह

किया है कि जब तक हवाई उड़ान उपलब्ध हैं, लेबनान खाली कर दें। कुछ दिन में सुरक्षा स्थिति बहुत खराब हो सकती है। कुछ दिन पहले लेबनान पर इजरायल ने हवाई हमले में हिजबुल्लाह के टॉप कमांडर अहमद वाहबी समेत कई लोगों को मार डाला था। बेरूत में इजरायली हमले में मरने वालों की संख्या 37 हो गई है।

देशभर के रेलवे ट्रैक जाम करने का ऐलान

- हरियाणा में महापंचायत के बाद किसानों का फैसला

कुरुक्षेत्र (एजेंसी)। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में रविवार को हुई किसानों की महापंचायत में फैसला लिया गया है कि 3 अक्टूबर को पूरे

देश में रेल ट्रैक जाम रखा जाएगा। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि हरियाणा में पंचायतें कर भाजपा की ओर से किसानों पर किए अत्याचार को याद कराया जाएगा। पंधेर ने कहा कि किसान हरियाणा में भाजपा की हार में हिस्सेदार बनेगा।

बिहार में बाढ़ से रेल पर आफत,पुल पर चढ़ा पानी

- कई ट्रेनें की गई रद्द और कुछ ट्रेनों के बदले रूट

पटना (एजेंसी)। पूर्व मध्य रेलवे के सुल्तानगंज और रतनपुर स्टेशन के बीच रेलवे के एक पुल के ग्रिडर तक बाढ़ का पानी पहुंच जाने के कारण जमालपुर-भागलपुर रेलखंड से गुजरने वाली कई

ट्रेन रद्द कर दी गई, जबकि कई अन्य के मार्ग में बदलाव किया गया। पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) सरस्वती चंद्रा की ओर से रविवार को जारी एक बयान के मुताबिक, जमालपुर-भागलपुर रेलखंड के सुल्तानगंज और रतनपुर स्टेशन के बीच पुल संख्या 195 के ग्रिडर तक बाढ़ का पानी पहुंच जाने से रात 23.45 बजे से इस रेलखंड पर ट्रेन परिचालन बाधित है।

इस्तीफे पर केजरीवाल बोले-

लांछन के साथ नहीं जी सकता

- ईमानदार लगूं तो वोट देना, भागवत से पूछा-मोदी के लिए 75 साल में रिटायरमेंट क्यों नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर जनसभा की। उन्होंने 2011 में हुए अन्ना आंदोलन और पहली बार चुनाव जीतने की घटना का जिक्र किया। कहा- हम पहली बार में ही ईमानदारी के दम पर सत्ता में आ गए। इस्तीफे पर केजरीवाल ने कहा- सत्ता और कुर्सी का लालची नहीं हूं। भाजपा ने भ्रष्टाचारी और चोर कहा तो दुख हुआ। लांछन के साथ कुर्सी तो क्या सांस भी नहीं ले सकता हूं, जी भी नहीं सकता। अगला दिल्ली चुनाव मेरी अग्नि परीक्षा है, अगर ईमानदार लगूं तो ही वोट देना। एएपी संयोजक ने संघ प्रमुख मोहन भागवत से 5 सवाल पूछे। कहा- जब 75 साल में लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और कलराज मिश्र जैसे नेताओं को रिटायर कर दिया तो ये नियम मोदी पर लागू क्यों नहीं।

सुरक्षा परिषद से स्पेस तक...

मोदी-बाइडेन की मुलाकात चीन-पाकिस्तान को देगी टेंशन

मोदी और बाइडेन ने भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने पर की चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर अमेरिका की धरती से चीन और पाकिस्तान की टेंशन बढ़ा दी है। पीएम मोदी के अमेरिका दौर पर दुनिया के तमाम देशों की नजर है। खासतौर पर चीन और पाकिस्तान की। दरअसल रूस दौरे के दौरान पीएम मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन की गर्मजोशी से मुलाकात वाली तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थीं। अमेरिका की तरफ से भी मोदी पर तीखे हमले किए गए थे। ऐसे में भारत के पड़ोसी देश चीन और पाकिस्तान को लग रहा था कि अमेरिका- भारत के रिश्ते प्रभावित हुए हैं। लेकिन अब तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। पीएम मोदी का अमेरिका का दौरा भी भारत के हित में रहा है। इससे चीन-पाकिस्तान दोनों की टेंशन बढ़ गई है। दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूक्रेन की ऐतिहासिक यात्रा और रूस के साथ युद्ध के बीच शांति संदेश की सराहना की। अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का भी समर्थन किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो

बाइडेन और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच अमेरिका में हुई मुलाकात ऐतिहासिक बन गई है। मुलाकात में दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत बनाने, रक्षा और स्पेस टेक्नोलॉजी में सहयोग बढ़ाने और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। बाइडेन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन किया और जी 20 और ग्लोबल साउथ में मोदी के नेतृत्व की सराहना की। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत और अमेरिका अब एक व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के तौर पर काम करते हैं, जो मानव प्रयास के सभी क्षेत्रों को कवर करती है। दोनों नेताओं ने आपसी हित के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की और हिंद-प्रशांत क्षेत्र और उसके बाहर के वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

भगवान से क्षमा मांगी उपवास भी रख रहा हूं

तिरुपति लड्डू विवाद बोले आंध्र डिप्टी सीएम

हैदराबाद (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर (तिरुपति मंदिर) में प्रसादम (लड्डुओं) में जानवरों की चर्बी मामले में आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने कहा- जब हिंदू मंदिरों को अपवित्र किया जाता है तो हमें चुप नहीं रहना चाहिए। अगर ऐसा मस्जिदों या

चर्चों में होता तो देश में गुस्सा भड़क उठता। पवन कल्याण ने रविवार से 11 दिनों की प्रायश्चित दीक्षा की शुरुआत की। इस दौरान वह उपवास करेंगे। पवन ने कहा, मुझे अफसोस है कि मैं मिलावट के बारे में पहले क्यों नहीं पता लगा पाया।

शुभंकर सरकार बंगाल कांग्रेस के नए अध्यक्ष

- अधीर रंजन की जगह चुने गए, जम्मू-कश्मीर में भी 2 कार्यकारी अध्यक्ष बनाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल में बड़ा फेरबदल करते हुए शुभंकर सरकार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बना दिया है। फिलहाल वे ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के सचिव थे। उनके पास अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और मिजोरम राज्यों की जिम्मेदारी थी। अब वे अधीर रंजन चौधरी की जगह बंगाल के प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए हैं। पश्चिम बंगाल के अलावा कांग्रेस ने जम्मू कश्मीर में भी दो कार्यकारी अध्यक्षों को अपॉइंट किया है। इनमें एमके भारद्वाज और भानु महाजन का नाम शामिल है। शुभंकर सरकार

कांग्रेस से लंबे समय से जुड़े हैं। 2013 से 2018 तक कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव और ओडिशा राज्य प्रभारी रहे। उन्होंने पार्टी के भीतर भी कई जिम्मेदारियां निभाईं। 30 अगस्त 2024 को वे कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव बने और तीन राज्यों अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और मिजोरम के प्रभारी भी रहे। खड़गे ने कहा- अधीर ने बंगाल में कांग्रेस को मजबूती दी कांग्रेस ने दोनों राज्यों के अपॉइंटमेंट लेटर एक्स पर शेयर किए हैं। बंगाल के नए अध्यक्ष सरकार को पार्टी अध्यक्ष खड़गे ने बाकी सारे दायित्वों से मुक्त करते हुए तत्काल प्रभाव से काम शुरू करने का निर्देश दिया है। उन्होंने अब तक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का दायित्व संभाल रहे अधीर रंजन चौधरी के कामों की तारीफ भी की। खड़गे ने कहा कि उनके कार्यकाल में प्रदेश में पार्टी मजबूत हुई। बहरामपुर से 5 बार लोकसभा सांसद रहे अधीर रंजन चौधरी लोकसभा चुनाव 2024 में टीएमसी के यूसुफ पठान से हार गए थे। इसके बाद उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। जम्मू कश्मीर में तारिक हमीद कर्रा अध्यक्ष अगस्त में जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होने के बाद कांग्रेस ने तारिक हामिद कर्रा को प्रदेश अध्यक्ष बनाया। जबकि तारा चंद और रमन भल्ला को कार्यकारी अध्यक्ष बनाए गए।

आतंकवादियों के साथ बिरयानी किसने खाई थी?

अमित शाह ने घेरा,कांग्रेस और नेशनल कान्फ्रेंस से पूछा सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आतंकवाद पर कड़ा रुख अपनाते हुए रविवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में किसी भी पत्थरबाज या आतंकवादी को रिहा नहीं किया जाएगा और जब तक आतंकवाद का सफाया नहीं कर दिया जाता तब तक पाकिस्तान के साथ कोई बातचीत नहीं होगी। शाह ने आतंकवाद के मुद्दे पर कांग्रेस और फारुक अब्दुल्ला को घेरा। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में आतंकवाद अब अपनी आखिरी सांसें गिन रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को बीजेपी प्रत्याशी रविंद्र रैना के समर्थन में

प्रचार करने जम्मू-कश्मीर के नौशेरा पहुंचे। उन्होंने आतंकवाद का जिक्र कर जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम फारुक अब्दुल्ला और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, अब्दुल्ला साहब, आप चिंता मत कीजिए, चुनाव संपन्न होने के बाद हम लोग श्वेतपत्र लेकर आने वाले हैं, जो कांग्रेस को, आपको और मुफ्ती परिवार को एक्सपोज करेगा।

अनुच्छेद 370 को कोई बहाल नहीं कर सकता

उन्होंने अनुच्छेद 370 को लेकर भी फारुक अब्दुल्ला पर निशाना साधा। कहा, फारुक अब्दुल्ला बोलते हैं कि वो जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 लाकर रहेंगे, लेकिन मैं एक बात स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि अगर इनकी तीन पीढ़ियां भी गुजर जाएंगी, तो भी उनका यह ख्वाब पूरा नहीं होगा। वो जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को बहाल नहीं कर सकते हैं।

अब लाल चौक पर कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता

उन्होंने आगे कहा, हाल ही में कांग्रेस के पूर्व गृह मंत्री शिंदे ने कहा था कि पहले उन्हें लाल चौक जाने से डर लगता था। अब आप देखिए देश का पूर्व गृह मंत्री लाल चौक पर जाने से डरता है। कोई बात नहीं शिंदे साहब। अपनी-अपनी फितरत होती है, लेकिन मैं अब गृह मंत्री हूं, मैं आपसे कहता हूं कि आप पोते-पोतियों के साथ लाल चौक जाइए, आपका कोई बाल भी बांका नहीं कर पाएगा। अमित शाह ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा,यह पार्टी घाटी में फिर से आतंकवाद को स्थापित करना चाहती है। घाटी के लोग आज की तारीख में चैन की नींद सो रहे हैं। चौतरफा शांति की बयार बह रही है, लेकिन कांग्रेस की मानसिकता देखिए कि वो फिर से घाटी में आतंकवाद को वापस लाना चाहती है, लेकिन मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि जब तक केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार है, तब तक कांग्रेस का यह ख्वाब किसी भी कीमत पर मुकम्मल होने वाला नहीं है।

ममता की 2 दिन में पीएम को दूसरी चिट्ठी

कोलकाता (एजेंसी)। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में आई बाढ़ पर पीएम मोदी को एक और लेटर लिखा है। 2 दिन के अंदर लिखी दूसरी चिट्ठी में ममता ने आरोप लगाया है कि दामोदर घाटी निगम ने उनसे सलाह लिए बिना

- आरोप-बंगाल की बाढ़ मैन मेड, पानी छोड़ने से पहले नहीं ली सलाह

पानी छोड़ा, जिससे बंगाल के जिले डूब गए। इससे पहले ममता ने 20 सितंबर को भी पीएम नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी थी। जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि दामोदर घाटी निगम के तहत आने वाले बांधों से 5 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने के कारण बंगाल में बाढ़ आई है। इधर, बंगाल सरकार और केंद्र के बीच चल रही जुबानी जंग के बीच राज्य के

बिजली सचिव शांतनु बसु ने बोर्ड से इस्तीफा दे दिया है। बसु के अलावा बंगाल के सिंचाई विभाग के चीफ इंजीनियर ने भी रेगुलेशन कमेटी से इस्तीफा दे दिया है। दामोदर घाटी जलाशय विनियमन समिति में केंद्रीय जल आयोग, पश्चिम बंगाल, झारखंड और दामोदर वैली निगम के प्रतिनिधि होते हैं। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री का दावा है कि बांधों से पानी छोड़ा जाना पश्चिम बंगाल सरकार के प्रतिनिधियों से परामर्श लेने, दामोदर घाटी रिजर्वायर रेग्युलेशन कमेटी की सहमति और सहयोग से किया गया था, मैं इससे असहमत हूं। सभी अहम फैसले केंद्रीय जल आयोग, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार आम सहमति के बिना एकतरफा लेती है। कभी-कभी राज्य सरकार को बिना सूचना दिए पानी छोड़ दिया जाता है। हमारे विचारों का सम्मान नहीं किया जाता। बांधों से करीब 9 घंटे तक पानी छोड़ा गया। बाढ़ को मैनेज करने के लिए हमें महज 3.5 घंटे ही मिले थे, जो असरदार डिजास्टर मैनेजमेंट के लिए काफी नहीं थे। 20 सितंबर को लिखी चिट्ठी में आर्थिक सहायता मांगी थी।

ईसा मसीह के शहर नाजरेथ पर बड़ा हमला

हिजबुल्लाह के अटैक से हिल गया इजरायल,पहली बार अंदर तक मारे रॉकेट

तेल अवीव (एजेंसी)। इजरायली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने पुष्टि की है कि मौजूदा युद्ध शुरू होने के बाद हिजबुल्लाह ने इजरायल पर अपना सबसे खतरनाक हमला किया है। रविवार की सुबह के शुरुआती घंटे में जेजेरेल घाटी में 140 से ज्यादा रॉकेट और ड्रोन के चार राउंड दागे गए। हाइफा, रमत डेविड हवाई अड्डे, नाजरेथ, अफुला, निचली गलील और यिज्रेल घाटी के आसपास अलर्ट जारी हुआ। हमले के बाद आईडीएफ ने कहा कि वे लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमले कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इजरायल ने 400 रॉकेट से पलटवार किया है। इजरायल ने ट्वीट कर कहा,ईसा मसीह के गृहनगर नाजरेथ पर हिजबुल्ला ने हमला किया। मेडिकल सेंटर

ने घोषणा की कि उत्तरी इजरायल में आग के कारण छह लोग घायल हो गए। इजरायली रेडियो और सरकारी मीडिया ने बताया कि हिजबुल्लाह ने युद्ध में पहली बार विशेष रूप से हाइफा के पास रामत डेविड बेस को निशाना बनाया।

कानूनी दुरुपयोग से पुरुष हितों की अनदेखी

ऋतु सारस्वत

हाल ही में देश की शीर्ष अदालत ने वैवाहिक विवाद की सुनवाई के दौरान इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि आईपीसी की धारा 498ए और घरेलू हिंसा अधिनियम देश में सबसे अधिक दुरुपयोग किए जाने वाले कानूनों में से एक बन गए हैं। एक मामले की सुनवाई के दौरान न्यायाधीश बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने कानून के दुरुपयोग की पेचीदगियों की जांच करते हुए इस बात पर अपनी चिंता व्यक्त की कि ये महिला सुरक्षा के लिए बने कानून किस प्रकार दुरुपयोग का शिकार हो रहे हैं। न्यायाधीश गवई ने कहा कि नागपुर में एक ऐसा मामला देखने को मिला जिसमें अमेरिका चले गए एक व्यक्ति को एक अधूरी शादी के लिए 50 लाख रुपये चुकाने पड़े, जबकि वे दोनों एक दिन भी साथ नहीं रहे। उन्होंने यह भी कहा कि 'खुले तौर पर घरेलू हिंसा अधिनियम और धारा 498ए सबसे ज्यादा दुरुपयोग किया जाने वाले प्रावधानों में से हैंज।' उनकी यह टिप्पणी उस भावना को व्यक्त करती है जो कि न केवल समाज के विभिन्न वर्गों, बल्कि देश के विभिन्न न्यायिक निकायों से भी प्रतिध्वनित हो रही है। उल्लेखनीय है कि 3 मई, 2024 को न्यायाधीश जे.वी. पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ ने 'प्रीति गुप्ता बनाम झारखंड राज्य' के मामले में कहा, 'हमने भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 85 और 86 पर गौर किया, ताकि पता लगाया जा सके कि क्या विधानमंडल ने इस न्यायालय के सुझावों पर गंभीरता से ध्यान दिया हैज (इसमें) आईपीसी की धारा 498ए का शब्दशः पुनरुत्पादन के अलावा कुछ नहीं है। एकमात्र अंतर यह है कि आईपीसी की धारा 498ए का स्पष्टीकरण अब एक अलग प्रावधान, यानी भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 86 के माध्यम से है।' शीर्ष अदालत का यह वक्तव्य उस असंतोष की अभिव्यक्ति है, जहां विधानमंडल से यह अपेक्षित था कि वह उस सिद्धांत पर अवश्य विचार करे जो यह प्रतिपादित करता है कि समाज स्थिर नहीं है और इसके सामाजिक एवं सांस्कृतिक मानदंड समय के प्रवाह के साथ-साथ परिवर्तित होते रहते हैं। इसीलिए, समाज को अनुशासित एवं निर्देशित करने वाली वैधानिक नियमावली भी उसी अनुरूप परिवर्तित होनी चाहिए, अन्यथा वह अपना औचित्य खो देती है। विगत दो दशकों में शीर्ष अदालत से लेकर देश की विभिन्न उच्च अदालतों ने इस मुद्दे को उठाया है कि महिलाओं के लिए बनाए गए सुरक्षात्मक प्रावधानों का उपयोग कभी-कभी हथियार के रूप में किया जा रहा है। परंतु इसके बावजूद इस ओर ध्यान न दिया जाना निराशाजनक तस्वीर पेश करता है। इसमें किंचित भी संदेह नहीं कि महिलाएं आज भी भावनात्मक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित होती हैं, परंतु इसका तात्पर्य यह कदापि नहीं है कि पुरुष 'अभेद्य सुरक्षा कवच' से घिरे हुए हर प्रताड़ना से मुक्त हैं। पुरुषों की पीड़ा की बात करना निश्चित ही स्वयं को नारीवादी विरोधी के रूप में उस कठघरे में खड़ा करना है, जिसमें महिला अधिकारों के शत्रु के रूप में चिन्हित किया जाएगा और उसकी आलोचना होगी। किंचित यह भय ही विधि निर्माताओं के समक्ष उपस्थित होता होगा।

एक समाज के समावेशी विकास के लिए 'लैंगिक समानता' मूलभूत सिद्धांत है। दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य यह है कि लैंगिक समानता का तात्पर्य अक्सर केवल स्त्री अधिकारों से जोड़ा जाता है, जिससे पुरुषों के अधिकारों की अवहेलना स्वत- ही हो जाती है। लैंगिक समानता की वास्तविक परिभाषा बिना किसी लिंग भेद के सभी की समानता को प्रतिस्थापित करना है। स्तब्ध करने वाला सत्य यह है कि स्त्री द्वारा उच्चारित हर शब्द और आरोप को शब्दशः स्वीकारने की प्रवृत्ति के चलते, बिना सत्यता परीक्षण के पुरुष को अपराधी घोषित कर दिया जाता है।

एक समाज के समावेशी विकास के लिए 'लैंगिक समानता' मूलभूत सिद्धांत है। दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य यह है कि लैंगिक समानता का तात्पर्य अक्सर केवल स्त्री अधिकारों से जोड़ा जाता है, जिससे पुरुषों के अधिकारों की अवहेलना स्वत- ही हो जाती है। लैंगिक समानता की वास्तविक परिभाषा बिना किसी लिंग भेद के सभी की समानता को प्रतिस्थापित करना है। स्तब्ध करने वाला सत्य यह है कि स्त्री द्वारा उच्चारित हर शब्द और आरोप को शब्दशः स्वीकारने की प्रवृत्ति के चलते, बिना सत्यता परीक्षण के पुरुष को अपराधी घोषित कर दिया जाता है। जबकि दुनिया का कोई भी शोध यह सिद्ध नहीं कर पाया है कि पुरुष और स्त्री का जैविक अंतर भावनाओं के विभेद से भी जुड़ा हुआ है और न ही यह सिद्ध हुआ है कि स्त्री 'शत्रुताभाव', 'ईर्ष्या', 'द्वेष' और 'घृणा' जैसे भावों से पूर्णतया मुक्त है। 'द फॉल्स्ली एक्यूज्ड कैन नेवर गेट देयर लाइव्स बेक' किम्बर्ली जे. बेंजामीर का अध्ययन बताता है कि झूठे आरोपों का गहरा मनोवैज्ञानिक एवं भावनात्मक आघात होता है और इसके परिणाम आजीवन परिलक्षित होते हैं, भले ही आरोपों के परिणामस्वरूप दोष सिद्ध न हुए हों। मिथ्या रूप से आरोपित किए जाने वाले व्यक्ति समाज में अपनी गरिमा और विश्वसनीयता की भावना खो सकते हैं, जिससे उनके जीवन की आशा और उद्देश्य लुप्त हो जाते हैं। वहीं मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी का शोध 'द इम्पैक्ट ऑफ़ बीइंग रोंगली एक्यूज्ड - विक्टिम वॉयसेस' झूठे आरोपों के पीड़ितों के साक्षात्कारों का दस्तावेजीकरण करता है, जो कि कानूनी रूप से निर्दोष थे। यह शोध बताता है कि झूठे आरोपों के चलते उन्होंने अपनी प्रतिष्ठा, आत्मसम्मान, दोस्त और पेशेवर जिंदगी को खो दिया।

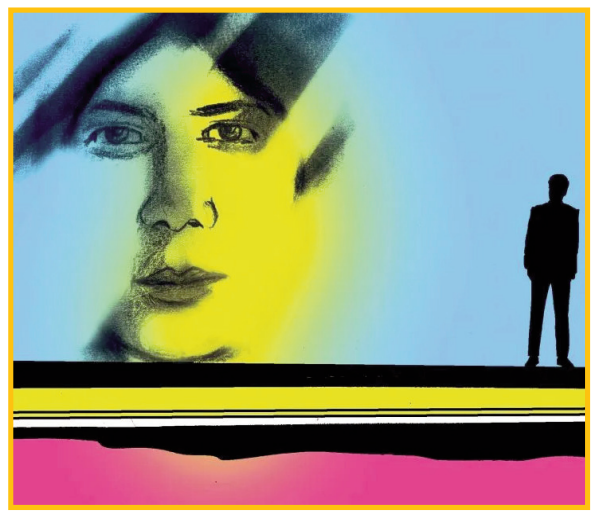

यदि पुरुषों के खिलाफ़ घरेलू हिंसा के मुद्दे की बात करें, तो यह केवल एक या एक से ज्यादा देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरी दुनिया में व्याप्त है।

ब्रिटेन के ऑफिस फॉर नेशनल स्टैटिस्टिक्स द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के मुताबिक (2022-2023), घरेलू हिंसा के 3 पीड़ितों में से एक पुरुष है। मैनकाइंड इनिशिएटिव द्वारा किए गए सर्वेक्षण के अनुसार, जो घरेलू हिंसा के पुरुष पीड़ितों पर ध्यान केंद्रित करने वाला एक ब्रिटिश संगठन है, बताता है कि पुलिस द्वारा दर्ज किए गए 25 प्रतिशत मामलों में पुरुष पीड़ित शामिल हैं। भूटान में, 2023 में रिपोर्ट किए गए 788 मामलों में से 69 में पुरुष पीड़ितों ने सहायता के लिए मदद मांगी, और हर बीतते साल के साथ यह संख्या बढ़ती ही जा रही है।

अगर अमेरिका में घरेलू हिंसा (जिसे अंतरंग साथी हिंसा या आईपीवी के रूप में भी जाना जाता है) की दर की बात करें, तो भी नेशनल इंटिमेट पार्टनर एंड सेक्सुअल वायलेंस सर्वे द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों (2016-2017) के अनुसार, अमेरिका में लगभग 44 प्रतिशत पुरुष अपने जीवनकाल में कम से कम एक बार घरेलू हिंसा के शिकार हुए हैं। ध्यान रहे कि घरेलू हिंसा के अंतर्गत शारीरिक एवं मौखिक हिंसा दोनों का ही उल्लेख किया गया है। क्योंकि भारतीय समाज पुरुष पर घरेलू हिंसा को सदैव से अस्वीकार करता आया है, इसलिए इस संबंध में बहुत कम शोध हुए हैं। किसी 'सत्य' को नकारने का तात्पर्य यह कदापि नहीं कि वह 'व्याप्त' नहीं है।

'प्रेवलन्स एंड रिस्क फैक्टर्स ऑफ़ फिजिकल वायलेंस अगेंस्ट हसबैंड - एविडेंस फॉम इंडिया' 2023, कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस द्वारा प्रकाशित शोध बताता है कि प्रत्यक्ष रूप से अर्थ अर्जन करने वाली महिलाएं अपने पतियों को शारीरिक और मौखिक रूप से प्रताड़ित करती हैं। संभवतः इस शोध को पितृसत्तात्मक पोषक एवं मनगढ़ंत कहा जा सकता है, लेकिन ठीक इसी तरह का शोध 2019 में 'इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन' में प्रकाशित हुआ, जो हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्रों पर केंद्रित था। इस शोध ने खुलासा किया कि 52.4 प्रतिशत पुरुषों ने लिंग आधारित हिंसा का अनुभव किया, जिसमें से आम वैवाहिक भावनात्मक हिंसा (51.5 प्रतिशत) थी।

हमें यह स्वीकार करना होगा कि लैंगिक समानता की चर्चा तब तक संभव नहीं है, जब तक पुरुषों को 'अधिकार संपन्न' मानकर उनकी अवेहलना की जाती रहेगी।

लेखिका समाजशास्त्री एवं स्तंभकार हैं।

संपादकीय

निशाने पर बच्चे

हाल ही के दिनों में बच्चों व महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों को लेकर देशव्यापी चिंता कई मंचों से उजागर हुई है। इन अपराधों के प्रति पुलिस व एजेंसियों की संवेदनहीनता पर अदालतें गाहे-बगाहे सख्त टिप्पणियां कर चुकी हैं। कुछ समय पहले जिला अदालतों के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने भी महिलाओं व बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों पर गंभीर चिंता जतायी थी। साथ ही त्वरित न्याय से समाधान की बात कही थी। देश के राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी के वे आंकड़े विचलित करते हैं, जिसमें कहा गया था कि साल 2022 में भारत में हर घंटे में औसतन 18 बच्चे अपराधों के शिकार बने। वहीं पिछले एक दशक में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 75 फीसदी वृद्धि की बात एनसीआरबी ने स्वीकारी है। बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों की गंभीरता को इस बात से समझा जा सकता है कि वर्ष 2023 में बीते वर्ष की तुलना में जहां अपराधों में कमी दर्ज की गई, वहीं दूसरी ओर बच्चों के प्रति होने वाले अपराधों में नौ फीसदी की वृद्धि एनसीआरबी के आंकड़ों में दर्ज की गई। यह हमारे नीति-नियंताओं के लिये गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए कि देश में बच्चों के खिलाफ अपराधों में क्यों लगातार वृद्धि हो रही है। विडंबना यह है कि एनसीआरबी केवल उन्हीं अपराध के आंकड़ों का उल्लेख करता है, जो थानों में दर्ज होते हैं। दरअसल, बच्चों के खिलाफ बड़ी संख्या में होने वाले अपराध अक्सर दर्ज ही नहीं होते। कानूनी जानकारी न होने और थानों व कचहरियों के चक्कर काटने से बचने के लिये अभिभावक कई मामलों में रिपोर्ट दर्ज ही नहीं करवाते। कुछ मामलों को पुलिस दर्ज करने से बचती है। ऐसे में बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों की वास्तविक स्थिति का आकलन करना सहज नहीं होगा। बहरहाल, ये बढ़ते अपराध हमारे समाज में गहरी होती संवेदनहीनता और समाज में नैतिक मूल्यों के पराभव की ओर भी इशारा करती है। दरअसल, बच्चों के खिलाफ अपराध केवल हमारे सामाजिक व्यवस्था में ही नहीं बढ़े, बल्कि इसका दायरा वर्चुअल दुनिया में भी तेजी से बढ़ा है। बच्चों के खिलाफ साइबर अपराधों में खासी तेजी आई है। चौंकाने वाली बात यह है कि वर्ष 2022 में बच्चों के विरुद्ध पहले साल के मुकाबले बत्तीस फीसदी अधिक साइबर अपराध दर्ज हुए। जो निरंतर गंभीर होती स्थिति को दर्शाते हैं। हाल के दिनों में स्कूल-कालेजों में ऑनलाइन पढ़ाई का दायरा बढ़ने और मोबाइल की सहज उपलब्धता से बच्चों की इस क्षेत्र में सक्रियता बढ़ी है। सस्ते इंटरनेट व मोबाइल फोन ने बच्चों के लिये सोशल मीडिया व गेमिंग की दुनिया में पहुंच आसान बनायी है। लेकिन बच्चे इंटरनेट की आपराधिक दुनिया से अनभिज्ञ हैं। उन्हें इन खतरों से बचाव का प्रशिक्षण न तो स्कूल में दिया जाता है और न ही पुरानी पीढ़ी के अभिभावक दे पाए। जिसके चलते ही वे साइबर अपराधियों का आसान शिकार बनते हैं। दरअसल, कोरोना महामारी तो चली गई, लेकिन इस संकट के चलते उपजी परिस्थितियों ने बच्चों के ऑनलाइन रहने का टाइम बढ़ा दिया है। अभिभावक यदि बच्चों को अधिक मोबाइल के इस्तेमाल पर टोकते हैं तो वे स्कूल के काम का तर्क देकर गेमिंग व सोशल मीडिया की गतिविधियों में लिप्त रहते हैं। यह समय का बड़ा संकट है कि बच्चे न तो अभिभावकों से संस्कार पा रहे हैं और न ही शिक्षकों से। उन्हें मोबाइल पर संस्कार वे अनाम व अज्ञात कंपनियां दे रही हैं, जिनके लिये बच्चे महज उपभोक्ता और पैसा कमाने का जरिया हैं। आज इंटरनेट के खुले और छिपे स्वरूप पर अपराधों की एक ऐसी समांतर दुनिया संचालित है, जिन्हें दुनिया की ताकतवर सरकारें भी नियंत्रित नहीं कर पा रही हैं।

विश्व इतिहास की अद्भुत वीरता- हाइफा हीरो मेजर दलपत सिंह

हाइफा का युद्ध 23 सितम्बर 1918 को प्रथम विश्व युद्ध के दौरान लड़ा गया। जहां भारतीय सैनिकों ने ब्रिटिश भारतीय सेना के रूप में तुर्की, ऑस्ट्रिया और उनके जर्मन सहयोगियों के खिलाफ लड़ा था। तुर्की, ऑस्ट्रिया और जर्मनी की सेना के पास आधुनिक तोप, बम, बंदूक टैंक व हथियार आदि थे। दूसरी तरफ जोधपुर लांसर के भारतीय सैनिक, जिनका नेतृत्व मेजर दलपतसिंह कर रहे थे। भारतीय सैनिकों के पास शस्त्रों के नाम पर केवल तलवार और भाले ही थे।

लेखाराम बिश्नोई

लेखक व विचारक

मेजर दलपतसिंह देवली बलिदान दिवस पर विशेष

हाइफा हीरो मेजर दलपतसिंह का जन्म 26 जनवरी 1892 को देवली हाउस में हुआ। मेजर दलपतसिंह अपने पिता हरिसिंह के एकमात्र पुत्र थे। आपके पिता हरिसिंह सेना में कर्नल रहे और पोलो के जाने-माने खिलाड़ी थे। दलपतसिंह ने उच्च शिक्षा इस्टबन कॉलेज इंग्लैंड से की। मात्र 18 वर्ष की आयु में पिता की तरह दलपतसिंह भी सेना में भर्ती हो गए। आपकी नियुक्ति जोधपुर लांसर में हुई थी।

दलपतसिंह एक पराक्रमी, बहादुर, निष्ठावान, शौर्य के प्रतीक भारतीय सैनिक थे। जिनका नाम हाइफा के युद्ध में उनकी वीरता के कारण इतिहास में अमर हो गया है।

हाइफा का युद्ध 23 सितम्बर 1918 को प्रथम विश्व युद्ध के दौरान लड़ा गया। जहां भारतीय सैनिकों ने ब्रिटिश भारतीय सेना के रूप में तुर्की, ऑस्ट्रिया और उनके जर्मन सहयोगियों के खिलाफ लड़ा था। तुर्की, ऑस्ट्रिया और जर्मनी की सेना के पास आधुनिक तोप, बम, बंदूक टैंक व हथियार आदि थे। दूसरी तरफ जोधपुर लांसर के भारतीय सैनिक, जिनका नेतृत्व मेजर दलपतसिंह कर रहे थे। भारतीय सैनिकों के पास शस्त्रों के नाम पर केवल तलवार और भाले ही थे। भारत के इन घुड़सवार व पैदल सैनिकों ने केवल तलवार और भाले के दम पर आधुनिक शस्त्रों से सुसज्जित दुश्मन सेना का न सिर्फ सामना किया, बल्कि 400 वर्षों से अधिक समय से तुर्की के अधीन रहे, इजराइल के हाइफा शहर को मात्र डेढ़ घंटे में तुर्की और जर्मन सेना को परास्त कर आजाद करा दिया। युद्ध के मैदान में तुर्की और जर्मन सेना के 1350 सैनिक और 35 अधिकारियों को बंदी बना लिया गया। इस युद्ध में भारत के 44 सैनिकों का बलिदान हुआ। 26 वर्षीय मेजर दलपतसिंह की वीरता, शौर्य, युद्ध -कौशलता, बहादुरी और पराक्रम देखकर अंग्रेज सेनाधिकारी दंग रह गए। दुश्मन की गोलियों और बारूद से छलनी होने के बावजूद मेजर दलपतसिंह ने जीत सुनिश्चित करने के बाद ही सांसें छोड़ी।

23 सितंबर 1918 को हाइफा को आजाद कराया था और इसी दिन मेजर दलपतसिंह का बलिदान हुआ था। इसलिए इस दिन को 'हाइफा' दिवस के रूप में मनाया जाता है। युद्ध में मेजर दलपतसिंह की महत्वपूर्ण नेतृत्व क्षमता के कारण उन्हें मरणोपरांत 'हीरो ऑफ हाइफा' के सम्मान और कई अन्य युद्ध पदक से सम्मानित किया गया। यह एकमात्र ऐसा युद्ध था जिसमें भाले और तलवारों से सुसज्जित घुड़सवार और पैदल सैनिकों ने अत्याधुनिक शस्त्रों से सुसज्जित सेना को हराया। विश्व इतिहास की यह अंतिम घटना है। जहां भाले और तलवारों से यह सुसज्जित घुड़सवार और पैदल सैनिकों ने कोई प्रमुख लड़ाई अत्याधुनिक हथियारों से सुसज्जित सेना के सामने लड़ी और जीती। मेजर दलपतसिंह के प्रति आज भी इजरायल के लोग कृतज्ञता रखते हैं। वर्ष 2012 से मेजर दलपत सिंह की बहादुरी के किस्से इजराइल के स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल किया गया। नई दिल्ली स्थित त्रिमूर्ति भवन में भी उनकी प्रतिमा स्थापित की गई। मेजर दलपतसिंह का बलिदान विश्व मंच पर भारतीय सैनिकों की श्रेष्ठता, बहादुरी, साहस,समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा का जीता -जाता उदाहरण आने वाले अनंतकाल तक सभी के लिए प्रेरणा देता रहेगा।

(चिंतन-मनन)

मौन का तन मन की सुन्दरता के लिये महत्व

प्रत्येक मनुष्य सुन्दर एवं स्वस्थ्य रहना चाहता है। सुन्दरता एवं स्वस्थ्य का राज मौन मै छिपा हुआ है। सामान्यत- चुप रहना मौन है, प्राचीन पुराण बचन के साथ ईष्या, डाह, छल, कपट और हिन्सा को कम करना मोन होता है। मनोवैज्ञानिक 'फायड' का कहना है कि जीवन अन्तर्द्वद्वी श्रृंखलाओं से मिल कर बना है। अन्तर्द्वद्व दो या दो से अधिक विरोधी इच्छाओं का एक साथ उत्पन्न होना है। ये असीम इच्छायें पूर्ण न होने पर तनाव नामक बीमारी देती है। जिससे आज के अधिकांस व्यक्ती ग्रासित है। अन्तर्द्वद्व में फंसे व्यक्ति की स्थिति कई विपरीत दिशाओं से आने वाली नदियों के पानी के साथ मिलने से भॅवर बनती है कि जैसी हो जाती है। भॅवर में फसे व्यक्ति को न बैठे शांति मिलती है न लेटे, न भूख लगती है, न प्यास, न ही ध्यान अध्ययन में मन लगता है। याददास्त क्षमता कम हो जाती है। हार्ट अटेक, आत्म हत्या भी इसी कारण करते हैं। हर मनुष्य अन्नत शक्तिमान है। यह शक्ति मन एवं पाचों इन्द्रियों के कार्यो में खर्च होती है। मन एवं इन्द्रियों को बस मे करने का कार्य 'मौन' करता है। मौन रहने से मनुष्य के अन्दर की छुपी हुई शक्ति उदय हो जाती है। आज के कल युग में इनद्रिय विषय-भोगों की सामग्री में वहुत वृद्धि हूई है जिसे अपनाने पर इक्छा शक्ति में अधिक बृद्धि हो रही है। जो टेन्सन को जन्म देती है। अत- आज टेन्सन बड़ी बीमारी हो गई है। जो भी व्यक्ति अधिक बोलते है उनके मुख में रहने वाला पाचक रस सूख जाता है। मानसिक सन्तुलन खो जाता है, हृदय गति तेज हो जाती है। मान इन सब परेशानियों से बचने की राम वाण औषधी है। दिन में एक घण्टा मौन रहने पर दो घण्टे की कार्य क्षमता में बृद्धि होती है। रक्त प्रवाह सामान्य स्वस्थ्य होता है, तन, मन, सुन्दर बनता है। अत- संयमित वोल मान को जीवन में अपनाना चाहिये।

विचार मंथन

खाता ना बही- सरकार जो कहे सो सही

(लेखक- सनत जैन)

सात साल में 07 राज्यों की सरकारों द्वारा 1935 आरोपियों की संपत्तियों पर बुलडोजर चलाकर तुरंत न्याय करते हुए उन्हें सजा दे दी गई। यह सजा सरकार ने आरोप के आधार पर तुरंत दान महा कल्याण की तर्ज पर दी है। तुरंत न्याय करके सरकार ने अपनी ताकत का एहसास करा दिया है। सरकार के इस न्याय से अपराधियों में खौफ है। यह कहा जा रहा है। इस खौफ के बाद भी अपराध कम होने के स्थान पर बढ़ते क्यों जा रहे हैं, यह चिंता का विषय है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अपराधियों में खौफ पैदा करने और तुरंत सजा देने के लिए अघोषित और असंवैधानिक बुलडोजर कानून लागू किया था। आरोप के आधार पर बुलडोजर चला कर अपराधी के घर, मकान और संपत्ति को नष्ट करने का सिलसिला उत्तर प्रदेश सरकार ने शुरू किया था। सरकार ने बुलडोजर से आरोपी और उसके परिवार की संपत्ति नष्ट कर दी। उस संपत्ति को अवैध निर्माण या सरकारी जमीन पर कब्जा बताकर आनन-फानन में बुलडोजर और पुलिस बल की सहायता से तोड़ दिया गया। उत्तर प्रदेश में पिछले 7 सालों में 1535 अवैध निर्माणों को बुलडोजर से तोड़ा गया है। इसके बाद मध्य प्रदेश में 259 निर्माण तोड़े गए हैं। तीसरे नंबर पर हरियाणा है, यहां पर 64 निर्माण बुलडोजर से तोडे गये। गुजरात में 55, राजस्थान में 10, दिल्ली में 10 और झारखंड में 2 इस प्रकार लगभग 1935 संपत्तियों को आरोप के आधार पर बुलडोजर से नष्ट किया गया है। इसमें सबसे बड़ी खास बात यह है की एक धर्म विशेष के लोगों की लगभग 90 फ़ीसदी संपत्तियों को आरोप के आधार पर तोड़ा गया। मध्य प्रदेश में 1 अपराधी की ऐसी संपत्ति को तोड़ा गया जिसे बनने में 7 साल लगे, करोड़ों रुपए से उसका निर्माण हुआ, जमीन का स्वामित्व भी था और नक्शा भी पास था। उसके बाद बुलडोजर कानून को लेकर न्यायालय की नींद खुली। अब इस मामले की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। सुप्रीम कोर्ट ने अगले आदेश तक बुलडोजर से इस तरह का न्याय रोक दिया है। अपराध किसी एक व्यक्ति ने किया, उसके ऊपर आरोप लगा। आरोप की सत्यता जांचे बिना आरोपी के परिवार की पूरी संपत्ति को तोड़ कर सारे परिवार को बेदखल करने का यह बुलडोजर कानून भारत में पिछले 7 साल से चल रहा था। इस कानून के कारण उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को देश भर में एक नई पहचान मिली। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट इस न्याय को होते हुए देख रही थी। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने अपनी आंखों पर काली पट्टी बांध रखी है। जो भारतीय संवैधानिक न्यायपालिका की संवेदनशीलता और निष्पक्षता का सबसे बड़ा प्रमाण है। सरकारों ने असंवैधानिक और गैर कानूनी तरीके से जिस तरह से बुलडोजर के माध्यम से आरोपियों की संपत्तियों को नेस्त-नाबूत किया है, वह भारतीय संविधान में प्रत्येक नागरिक के मूलभूत अधिकारों का स्पष्ट रूप से सरकार द्वारा हनन किया गया है। न्याय प्रक्रिया का पालन किए बिना सरकार के अधिकारियों ने न्यायपालिका के अधिकारों का उपयोग, प्रशासकीय अधिकारियों ने अवैधानिक तरीके से किया है। किसी भी मामले में न्यायिक प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। एक व्यक्ति के किए हुए अपराध की सजा उसके पूरे परिवार को दे दी गई। मीडिया में उसका प्रचार-प्रसार किया गया। ताकि अपराधी और अपराधों को लेकर लोगों में भय का वातावरण बने।

सारी न्यायिक प्रक्रिया को धता बता दिया गया। जिसकी संपत्ति को बुलडोजर से तोड़ा गया। उसको इतना समय भी नहीं दिया गया, कि वह अपना पक्ष सरकार और न्यायपालिका के पास रख सके। सरकार और उसके अधिकारियों ने अपनी सारी ताकत आरोपी की संपत्ति को ध्वस्त करने में लगा दी। परिवार और समाज में भय एवं दहशत का वातावरण बना दिया। उत्तर प्रदेश से बुलडोजर कानून शुरू हुआ था। धीरे-धीरे यह अन्य भाजपा शासित राज्यों में तेजी के साथ फैला। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहचान बुलडोजर बाबा के रूप में देश में बन गई। बुलडोजर की ख्याति विदेशों तक पहुंच गई। बुलडोजर की कार्रवाई एक धर्म विशेष के लोगों के खिलाफ किए जाने के आरोप लगे।

प्रशासकीय अधिकारी धर्म विशेष के आरोपियों पर बुलडोजर चलाकर तुरंत न्याय करने लगे। रामचरित मानस में गोस्वामी तुलसीदास जी ने लिखा है- समरथ को नहीं दोष गुसाईं।

सरकार और भगवान से ज्यादा समर्थवान कोई हो ही नहीं सकता है। भगवान और सरकार किसी की भी जान ले सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एफपीआई ने सितंबर में अब तक शेयर बाजार में किया 33,700 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने अब तक भारतीय शेयर बाजारों में लगभग 33,700 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इसकी मुख्य वजह अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती और भारतीय बाजार की मजबूती है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि यह इस साल अब तक एक महीने में भारतीय शेयरों में एफपीआई के निवेश का दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। इससे पहले मार्च में एफपीआई ने शेयर बाजार में 35,100 करोड़ रुपये का निवेश किया था। बाजार के जानकारों ने कहा` कि आने वाले दिनों में एफपीआई की खरीदारी का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस महीने 20 सितंबर तक शेयरों में 33,691 करोड़ रुपये का निवेश किया। इसके साथ ही इस साल अब तक शेयरों में उनका निवेश 76,572 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। जून से एफपीआई लगातार लिवाल रहे हैं। इससे पहले अप्रैल-मई में उन्होंने शेयरों से 34,252 करोड़ रुपये की राशि निकाली थी। सितंबर में अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में कटौती की उम्मीद के बीच एफपीआई लिवाल रहे हैं। 18 सितंबर को फेडरल रिजर्व द्वारा प्रमुख ब्याज दर में 0.50 प्रतिशत की कटौती के बाद एफपीआई ने और आक्रामक तरीके से लिवाली की है।

स्पाइसजेट ने क्यूआईपी को शेयर बेचकर जुटाए 3000 करोड़

- नया फंड एयरलाइन को बकाया चुकाने में मदद करेगा

नई दिल्ली। स्पाइसजेट ने क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईपी) को शेयर बेचकर 3,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इससे कर्ज संकट से जूझ रही एयरलाइन को मदद मिली है। सोसाइटी जनरल- ओडीआई, गोल्डमैन सैक्स (सिंगापुर) पीटीई-ओडीआई, नोमुरा सिंगापुर लिमिटेड ओडीआई और डिस्कवरी ग्लोबल ऑपर्चुनिटी (मॉरीशस) लिमिटेड विदेशी संस्थाएं उन निवेशकों में शामिल हैं। इन्हें एयरलाइन के योग्य संस्थागत प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के तहत शेयर आवंटित किए गए हैं। एक` नियामक फाइलिंग के अनुसार एयरलाइन की फंड जुटाने वाली समिति ने 20 सितंबर को 80 से अधिक क्यूआईपी प्रतिभागियों को 61.60 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर 48.70 करोड़ से अधिक शेयर आवंटित करने को मंजूरी दी। कुल मिलाकर 3,000 करोड़ रुपये की सिक्योरिटीज जारी की गई हैं। शनिवार को बीएसई को दी गई फाइलिंग में कहा गया है` कि इश्यू में इक्विटी शेयरों के आवंटन के बाद कंपनी की पेडअप इक्विटी शेयर कैपिटल 7,94,67,27,170 रुपये से बढ़कर 12,81,68,57,030 रुपये हो गई है, जिसमें 1,28,16,85,703 इक्विटी शेयर शामिल हैं। 19 वर्षों से उड़ान भर रही स्पाइसजेट कई चुनौतियों का सामना कर रही है और नया फंड जुटाने से एयरलाइन को विभिन्न बकाया चुकाने में मदद मिलेगी। इस पैसे का उपयोग विमान और इंजन लीज पर देने वालों, इंजीनियरिंग वेंडर्स और फाइनेंसर्स सहित लेनदारों की देनदारियों के निपटान के लिए किया जाएगा। पांच आवंटियों को क्यूआईपी में पेश किए गए शेयरों में से प्रत्येक को पांच प्रतिशत से अधिक प्राप्त हुआ है। इससे पहले, सूत्रों ने कहा था कि स्पाइसजेट के प्रमोटर अजय सिंह एयरलाइन में 10 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी बेच सकते हैं। इश्यू के बाद शेयरहोल्डिंग पैटर्न में आए बदलाव के बारे में बीएसई को कुछ समय बताया जाएगा। इस फंडिंग से स्पाइसजेट को निकट भविष्य में मदद मिलेगी।

लेनदेन शुल्क लगा तो 75 प्रतिशत उपयोगकर्ता यूपीआई बंद कर देंगे: सर्वे

- सर्वे में 308 जिलों से 42,000 प्रतिक्रियाएं मिली

नई दिल्ली ।

यूपीआई सेवा पर यदि लेनदेन शुल्क लगाया जाता है, तो 75 प्रतिशत उपयोगकर्ता इसका उपयोग करना बंद कर देंगे। हाल ही में जारी किए गए एक सर्वेक्षण में यह निष्कर्ष निकाला गया है। सर्वेक्षण के अनुसार 38 प्रतिशत उपयोगकर्ता अपना 50 प्रतिशत भुगतान लेनदेन डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड या किसी अन्य प्रकार के डिजिटल माध्यम के बजाय यूपीआई के जरिये करते हैं। सर्वे कहता है कि सिर्फ 22 प्रतिशत यूपीआई उपयोगकर्ता भुगतान पर लेनदेन शुल्क का बोझ उठाने को तैयार हैं। वहीं 75 प्रतिशत लोगों ने कहा कि अगर लेनदेन शुल्क लगाया जाता है, तो वे यूपीआई का उपयोग करना बंद कर देंगे। यह सर्वे तीन व्यापक क्षेत्रों पर किया गया है। इसमें 308 जिलों से 42,000 प्रतिक्रियाएं मिली हैं। हालांकि प्रत्येक प्रत्येक प्रश्न पर उत्तरों की संख्या अलग-अलग थी। यूपीआई पर लेनदेन शुल्क से संबंधित प्रश्न को लेकर 15,598 प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुईं। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने 2023-24 में इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में लेन-देन की मात्रा में रिकॉर्ड 57 प्रतिशत और मूल्य में 44 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। पहली बार किसी वित्त वर्ष में यूपीआई लेन-देन 100 अरब को पार कर गया है। यह 2023-24 में 131 अरब रहा, जबकि 2022-23 में यह 84 अरब था। रिपोर्ट में कहा गया है कि मूल्य के लिहाज से यह 1,39,100 अरब रुपये से बढ़कर 1,99,890 अरब रुपये पर पहुंच गया है। सर्वे के अनुसार 37 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने मूल्य के लिहाज से अपने कुल भुगतान के 50 प्रतिशत से अधिक के लिए यूपीआई लेन-देन खातों को साझा किया। सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया है कि यूपीआई तेजी से 10 में से चार उपभोक्ताओं के भुगतान का अभिन्न अंग बन रहा है। इसलिए किसी भी तरह का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष लेनदेन शुल्क लगाए जाने का कड़ा विरोध हो रहा है। लोकल सर्किल्स इस सर्वेक्षण के निष्कर्षों को वित्त मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ आगे बढ़ाएगा, ताकि किसी भी एमडीआर शुल्क की अनुमति देने से पहले यूपीआई उपयोगकर्ता की नब्ज को ध्यान में रखा जा सके। यह सर्वे 15 जुलाई से 20 सितंबर के बीच ऑनलाइन आयोजित किया गया था।

रिलायंस फाउंडेशन महिलाओं की डिजिटल भागीदारी बढ़ाने वित्तीय सहायता करेगा

मुंबई । रिलायंस फाउंडेशन ने यह घोषणा की है कि वह अमेरिका के यूएसएआईडी और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन (बीएमजीएफ) के साथ मिलकर वीमेन इन द डिजिटल इकॉनामी फंड (डब्लूआईडीईएफ) के तहत 10 मिलियन यूएस डॉलर की वित्तीय सहायता देगा। इस पहल का उद्देश्य भारत में महिलाओं को डिजिटल अर्थव्यवस्था में सशक्त बनाना और जेंडर डिजिटल डिवाइड को कम करना है। रिलायंस फाउंडेशन की निदेशक ईशा अंबानी ने कहा कि डब्लूआईडीईएफ वैश्विक सहयोग का एक ऐतिहासिक कदम है और हम इस पहल का हिस्सा बनकर गर्व महसूस कर रहे हैं। हम महिलाओं की आजीविका, आर्थिक सुरक्षा और तकनीक के माध्यम से सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यूएसएआईडी-इंडिया की एक्टिंग मिशन डायरेक्टर डॉ. अलेक्जेंड्रिया ह्यूर्टा ने इस साझेदारी को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका की यह साझेदारी लैंगिक डिजिटल अंतर को समाप्त करने में एक अहम कदम है। हम रिलायंस फाउंडेशन के साथ मिलकर लाखों महिलाओं को डिजिटल अर्थव्यवस्था का लाभ पहुंचाने और उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में काम कर रहे हैं।

वोडाफोन आइडिया ने नोकिया, एरिक्सन और सैमसंग के साथ किया सौदा

नई दिल्ली । कर्ज संकट का सामना कर रही दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) ने 4जी और 5जी नेटवर्क उपकरणों की आपूर्ति के लिए नोकिया, एरिक्सन और सैमसंग को 30,000 करोड़ रुपये का अनुबंध दिया है। कंपनी ने रविवार को यह जानकारी दी। यह अनुबंध तीन साल के लिए है। कंपनी ने इससे पहले तीन साल में 6.6 अरब डॉलर या 55,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय की घोषणा की थी। यह सौदा इस दिशा में पहला कदम है। कंपनी ने कहा` कि वोडाफोन आइडिया ने नोकिया, एरिक्सन और सैमसंग के साथ तीन साल की अवधि में नेटवर्क उपकरणों की आपूर्ति के लिए करीब 3.6 अरब डॉलर (करीब 30,000 करोड़ रुपये) का एक बड़ा सौदा किया है। बयान में कहा गया है कि इस पूंजीगत व्यय कार्यक्रम का लक्ष्य 4जी आबादी के दायरे को 1.03 अरब से बढ़ाकर 1.2 अरब करना, प्रमुख बाजारों में 5जी सेवा शुरू करना और डेटा की वृद्धि के अनुरूप क्षमता का विस्तार करना है। इन नए दीर्घकालिक ठेकों के तहत आपूर्ति आगामी तिमाही में शुरू होगी। बयान में कहा गया है कि 1.2 अरब भारतीयों तक 4जी सेवा (कवरेज) का विस्तार कंपनी की शीर्ष प्राथमिकता है।

वैश्विक रुख, विदेशी निवेशकों की गतिविधियां तय करेगी शेयर बाजार की दिशा: विश्लेषक

रुपये की चाल और ब्रेंट क्रूड की कीमतों में उतार-चढ़ाव से भी बाजार की दिशा प्रभावित होगी

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह घरेलू मोर्चे पर किसी प्रमुख घटनाक्रम के अभाव में घरेलू शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। उन्होंने कहा कि मासिक डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान की वजह से इस सप्ताह बाजार में कुछ उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा प्रमुख ब्याज दरों में 0.50 प्रतिशत की कटौती के बाद पिछले सप्ताह स्थानीय शेयर बाजारों में रिकॉर्ड तेजी देखने को मिली। बाजार के जानकारों ने कहा कि ऐतिहासिक रूप से अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती का उभरते बाजारों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है और भारत वैश्विक निवेशकों के बीच पसंदीदा गंतव्य बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि सप्ताह के दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने आक्रामक लिवाली की। अकेले शुक्रवार को ही एफआईआई ने भारतीय शेयर बाजारों में 14,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह बाजार को दिशा देने वाला कोई बड़ा संकेतक नहीं है। हालांकि, अमेरिका के वृहद आर्थिक आंकड़े बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। एफआईआई प्रवाह भारतीय शेयर बाजार के लिए एक महत्वपूर्ण कारक बना रहेगा, साथ ही घरेलू संस्थागत प्रवाह पर भी सभी की निगाह रहेगी। हालांकि, बाजार फिलहाल भू-राजनीतिक जोखिमों से प्रभावित नहीं दिख रहा है, लेकिन यह आगे बाजार के लिए बड़ा खतरा पैदा कर सकता है। डेरिवेटिव निपटान की वजह से बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। बाजार के एक अन्य विश्लेषक कहते हैं कि बाजार धीरे-धीरे ऊपर चढ़ रहा है। हमें उम्मीद है कि मजबूत एफआईआई प्रवाह, स्वस्थ घरेलू वृहद कारक और अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मंदी के बारे में घटती चिंता के कारण इस सप्ताह भी इसकी सकारात्मक रफ्तार जारी रहेगी। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल और वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमतों में उतार-चढ़ाव से भी बाजार की दिशा प्रभावित होगी। उन्होंने कहा हालांकि फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की प्रमुख घटना पीछे रह गई है, लेकिन आगे भी बाजार की दिशा के लिए सभी का ध्यान अमेरिका पर रहेगा। इसके अलावा विदेशी कोषों के प्रवाह और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव पर भी निवेशकों की निगाह रहेगी।

चीन में एक पूरी तरह से ऑटोमेटिक हायड्रोजन वाली ट्रेन विश्व भर के निर्माताओं की एक प्रदर्शनी में पेश की गयी।

अडानी पोर्ट्स का मार्केट कैप बढ़कर 3.10 लाख करोड़ हुआ

नई दिल्ली । ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन के शेयरों पर बुलिश दिखाई दे रही है। शुक्रवार को ये शेयर 2.16 फीसदी की तेजी के साथ 1438 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। शेयरों में आई तेजी की वजह से कंपनी का मार्केट कैप अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। अडानी पोर्ट्स एंड इकोनॉमिक जोन का मार्केट कैप बढ़कर 3.10 लाख करोड़ रुपये हो गया। आपको बता दें कि ये स्टॉक अभी भी अपने 52 वीक के हाई से करीब 200 रुपये पीछे है। शेयर का 52 हफ्तों का हाई 1607 रुपये है। ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने कंपनी के शेयरों पर भरोसा जताया है। ब्रोकरेज ने इसे बाय रेटिंग दी है। मोतीलाल ओसवाल ने इसे 1850 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है जो इसके 52 हफ्तों के हाई से कहीं ज्यादा है और अभी की कीमत से करीब 29 फीसदी अधिक है। यानी अभी के स्तर पर अगर निवेश किया जाए और मोतीलाल ओसवाल की भविष्यवाणी अगर सही हो तो हर स्टॉक पर आपको 400 रुपये से ज्यादा का फायदा हो सकता है। अडानी पोर्ट्स के शेयरों ने पिछले 6 महीने में 14 फीसदी से अधिक का रिटर्न दिया है। वहीं इस साल अभी तक यह शेयर 38 फीसदी से अधिक ऊपर गया है। बीते एक साल में इस शेयर ने 74 फीसदी का रिटर्न दिया है।

बीते सप्ताह सोयाबीन तिलहन के भाव कमजोरी के साथ बंद

- सरसों दाने का थोक भाव 75 रुपये बढ़कर 6,675-6,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में ऊंचे भाव पर कम कारोबार के बीच मूंगफली तेल-तिलहन तथा डी-आयल्ड केक (डीओसी) की कमजोर मांग से सोयाबीन तिलहन के भाव गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं बाजार में विशेषकर नरम तेलों (सॉफ्ट आयल) की कम आपूर्ति की स्थिति के बीच सरसों तेल-तिलहन, सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल तथा बिनौला तेल के भाव सुधार के साथ बंद हुए। बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि ऊंचे दाम पर कम कारोबार तथा नई फसल की आवक के बीच मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट दर्ज हुई। जबकि डीओसी की कमजोर मांग से सोयाबीन तिलहन के दाम भी सप्ताहांत में गिरावट के साथ बंद हुए। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 75 रुपये बढ़कर 6,675-6,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 250 रुपये बढ़कर 14,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 40-40 रुपये की मजबूती के साथ क्रमशः 2,175-2,275 रुपये और 2,175-2,290 रुपये टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमशः 70-70 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,830-4,880 रुपये प्रति क्विंटल और 4,605-4,740 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसके विपरीत सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 1,000 रुपये, 700 रुपये और 650 रुपये बढ़कर क्रमशः 12,850 रुपये, 12,450 रुपये और 9,250 रुपये क्विंटल पर बंद हुए। मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में भी पिछले सप्ताहांत के मुकाबले गिरावट का रुख रहा। मूंगफली तिलहन 125 रुपये की गिरावट के साथ 6,350-6,625 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 275 रुपये की गिरावट के साथ 15,100 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 40 रुपये की गिरावट के साथ 2,270-2,570 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। वहीं कम आपूर्ति की स्थिति के कारण कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 450 रुपये की तेजी के साथ 11,550 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 1,000 रुपये के सुधार के साथ 13,150 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 1,050 रुपये के सुधार के साथ 12,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। कम स्टॉक के बीच मांग निकलने से समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल 650 रुपये के सुधार के साथ 12,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

जुलाई में देश का कोयला आयात बढ़कर 2.52 करोड़ टन हुआ

नई दिल्ली।

इसी साल जुलाई में देश का कोयला आयात 40.56 प्रतिशत बढ़कर 2.52 करोड़ टन रहा है। पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने में कोयला आयात 1.79 करोड़ टन रहा था। बी2बी ई-कॉमर्स मंच एमजंक्शन सर्विसेज द्वारा जुटाए गए आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। चालू वित्त वर्ष के पहले अप्रैल-जुलाई में कोयला आयात बढ़कर 10.04 करोड़ टन पर पहुंच गया, जो एक साल पहले समान अवधि में 8.91 करोड़ टन था।

एमजंक्शन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अगले महीने त्योहारी सीजन से पहले आने वाले हफ्तों में आयात मांग में तेजी आने की संभावना है। समुद्री मार्ग से ढुलाई दरों में नरमी के बीच गैर-कोकिंग कोयले के आयात में तेजी देखने को मिल रही है। हालांकि, इस्पात मिलों की कमजोर मांग के कारण कोकिंग कोयले की मात्रा में कमी आई है। जुलाई में कुल आयात में गैर-कोकिंग कोयले का हिस्सा 1.65 करोड़ टन रहा, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह आंकड़ा 1.01 करोड़ टन था। कोकिंग कोयले का आयात 48.1 लाख टन रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष जुलाई में यह 50.3 लाख टन था। अप्रैल-जुलाई की अवधि के दौरान गैर-कोकिंग कोयले का आयात एक साल पहले के 5.66 करोड़ टन की तुलना में बढ़कर 6.56 करोड़ टन पर पहुंच गया। वहीं कोकिंग कोयले के आयात में 2.02 करोड़ टन के मुकाबले मामूली बढ़त देखने को मिली। कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने पूर्व में कहा था कि भारत को जीवाश्म ईंधन का घरेलू उत्पादन बढ़ाना चाहिए और कोयले का आयात कम करना चाहिए। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का कोयला आयात 7.7 प्रतिशत बढ़कर 26.82 करोड़ टन रहा था। जुलाई में भारत का कोयला उत्पादन सालाना आधार पर 6.36 प्रतिशत बढ़कर 7.4 करोड़ टन हो गया। अप्रैल-जुलाई में भारत का कुल कोयला उत्पादन 32.13 करोड़ टन से अधिक रहा, जो एक साल पहले की इसी अवधि से 9.6 प्रतिशत अधिक है।

सेंसेक्स की शीर्ष छह कंपनियों का मार्केट कैप 1.97 लाख करोड़ बढ़ा

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1,97,734.77 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक को हुआ। पिछले सप्ताह आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 63,359.79 करोड़ रुपये बढ़कर 9,44,226.88 करोड़ रुपये, एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 58,569.52 करोड़ रुपये बढ़कर 13,28,605.29 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 44,319.91 करोड़ रुपये बढ़कर 9,74,810.11 करोड़ रुपये, रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 19,384.07 करोड़ रुपये बढ़कर 20,11,544.68 करोड़ रुपये, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 10,725.88 करोड़ रुपये बढ़कर 7,00,084.21 करोड़ रुपये और आईटीसी का 1,375.6 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 6,43,907.42 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस रुख के विपरीत टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की बाजार हैसियत 85,730.59 करोड़ रुपये घटकर 15,50,459.04 करोड़ रुपये, इन्फोसिस का मूल्यांकन 15,861.16 करोड़ रुपये घटकर 7,91,438.39 करोड़ रुपये, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का बाजार पूंजीकरण 14,832.12 करोड़ रुपये घटकर 6,39,172.64 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन 7,719.79 करोड़ रुपये घटकर 6,97,815.41 करोड़ रुपये पर आ गया।

शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारतीय स्टेट बैंक, आईटीसी और एलआईसी का स्थान रहा।

सरकारी कर्मचारियों को अब दो साल और मिलेगा एलटीसी का लाभ

अब 25 सितंबर 2026 तक कर सकेंगे जम्मू कश्मीर, अंडमान निकोबार और पूर्वोत्तर क्षेत्र की हवाई यात्रा

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने लीव ट्रैवल कंसेशन (एलटीसी) के तहत जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और पूर्वोत्तर क्षेत्र की हवाई यात्रा 25 सितंबर 2026 तक कर सकेंगे। पहले यह योजना 25 सितंबर 2024 को समाप्त हो रही थी। पात्र केंद्र सरकार के कर्मचारियों को एलटीसी का लाभ उठाने पर पेड लीव के अलावा आने-जाने की यात्रा के टिकटों की प्रतिपूर्ति भी मिलती है। कार्मिक मंत्रालय ने एक आदेश में कहा गया है कि सभी पात्र कर्मचारी चार साल की ब्लॉक अवधि में अपने एक होम टाउन एलटीसी में बदलाव के बदले जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और पूर्वोत्तर क्षेत्र में किसी भी स्थान पर जाने के लिए एलटीसी के हकदार हैं, जो ऐसे पलॉई एयर ट्रैवल के हकदार नहीं हैं, उन्हें भी इन क्षेत्रों के लिए किसी भी एयरलाइन की इकोनॉमी क्लास में यात्रा की अनुमति दी गई है। आदेश के मुताबिक सरकारी कर्मचारी जो हवाई यात्रा के लिए इलिजिबल हैं, वे अपने हेडक्वार्टर से हकदार श्रेणी में फ्लाइट बुक कर सकते हैं। गैर-हकदार कर्मचारी कुछ खास रूट्स पर इकोनॉमी क्लास में हवाई यात्रा कर सकेंगे। इन रुट्स में कोलकाता, गुवाहाटी और पूर्वोतर क्षेत्र में किसी भी स्थान के बीच कोलकाता, चेन्नई, विशाखापत्तनम और पोर्ट ब्लेयर के बीच तथा दिल्ली, अमृतसर और जम्मू-कश्मीर, लद्दाख के किसी भी स्थान के बीच के रूट शामिल हैं।

भारत / बांग्लादेश पहला टेस्ट: भारत ने पहले टेस्ट में बांग्लादेश को 280 रनों से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय टीम ने यहां के एम.ए. चिदंबरम स्टेडियम में खेल गये पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में बांग्लादेश को 280 रनों से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। भारतीय टीम की जीत में आर अश्विन की अहम भूमिका रही। अश्विन ने जहां पहली पारी में शतक लगाया। वहीं दूसरी पारी में 6 विकेट लेकर बांग्लादेशी टीम को समेट दिया। भारतीय टीम ने इस मैच में बांग्लादेश को जीत के लिए 515 रनों का लक्ष्य दिया था जिसका पीछा करते हुए बांग्लादेश की पूरी टीम खेल के चौथे दिन ही पहले सत्र में 234 रनों पर ही आउट हो गयी।

इस मैच में अश्विन के शतक से ही भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 376 रन बनाए। वहीं बांग्लादेशी टीम इसके जवाब में 149 रनों पर ही आउट हो गयी। इस प्रकार भारतीय टीम को पहली पारी के आधार पर 227 रनों की विशाल बढ़त मिली। भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी चार विकेट पर 287 रन बनाकर घोषित कर दी। ऐसे में बांग्लादेश की टीम जीत के लिए 515 रनों का मुश्किल लक्ष्य मिला जो वह हासिल नहीं कर पायी।

515 रनों के कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाजों जाकिर हसन और शादमान इस्लाम ने आक्रामक शुरुआत की। दोनों ने ही भारतीय टीम के तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की गेंदों पर अच्छे शॉट लगाये। टीम ने टी-ब्रेक तक ही बिना विकेट खो 50 से अधिक रन बना लिये पर पर जाकिर हसन 35 और शादमान के 33 रनों पर आउट होने के बाद टीम की बल्लेबाजील बिखर गयी। शादमान के बाद मोमिनुल हक और मुशफिकुर रहीम भी एक के बाद एक आउट हो गये। इसके बाद ये सिलसिल पारी रहा। बांग्लादेश ने दिन की शुरुआत चार विकेट पर 158 रन से आगे से करते हुए पहले सत्र के अंदर 76 रन जोड़ कर बाकी बचे छह विकेट गंवा दिये। भारतीय टीम की ओर से अश्विन ने छह जबकि रविंद्र जडेजा ने तीन विकेट लिए

वहीं इससे पहले दूसरी पारी में भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। यशस्वी जायसवाल और रोहित टीम शुरुआत में ही आउट हो गये। जायसवाल 10 जबकि रोहित 5 रन बनाकर आऊट हो गए। विराट भी 17 रन ही बना पाये। इसके बाद शुभमन गिल और ऋषभ पंत ने शतकीय पारियां खेलकर भारतीय टीम को संभाला। ऋषभ ने जहां 128 गेंदों पर 13 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 109 रन बनाए जबकि शुभमन ने 176 गेंदों पर 10 चौके और 4 छक्कों की मदद से नाबाद 119 रन बनाए। वहीं केएल रहुल ने 22 रन बनाये।

संग्राम सिंह एमएमए मुकाबला जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष पहलवान बने

जॉर्जिया (एजेंसी)। भारतीय पहलवान संग्राम सिंह ने गामा इंटरनेशनल फाइटिंग चैंपियनशिप में अपना पहला मुकाबला जीतकर एमएमए की दुनिया में अपनी पहचान बनाई। कॉमनवेल्थ हैवीवेट कुश्ती चैंपियन संग्राम ने मात्र एक मिनट और तीस सेकंड में पाकिस्तानी फाइटर अली रजा नासिर को हराया, जो उनसे सत्रह साल छोटे हैं। इस तरह वे मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स मुकाबला जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष पहलवान बन गए।

ग्यारह प्रतिस्पर्धी देशों में संग्राम की यह उपलब्धि 93 किलोग्राम वर्ग में किसी भारतीय फाइटर द्वारा दर्ज की गई सबसे तेज जीत है। संग्राम ने अपनी कुश्ती कौशल और रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन करके स्पष्ट जीत हासिल की। पारंपरिक कुश्ती में उनकी पृष्ठभूमि है और वे प्रशिक्षण के प्रति समर्पित हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे भारत के लिए यह जीत घर लाने पर बेहद गर्व है। यह जीत भारत में एमएमए के बेहतर भविष्य की दिशा में एक कदम है। यह व्यक्तिगत उपलब्धि से बढ़कर है। मुझे उम्मीद है कि वैश्विक स्तर पर मान्यता मिलने से भारतीय सरकार को मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) का समर्थन करने वाले कार्यक्रमों को लागू करने और युवाओं को इस खेल को अपनाने के लिए प्रेरित करने की प्रेरणा मिलेगी।'

सिंह ने मुकाबला जीतने के बाद कहा, 'मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि इससे युवा एथलीटों को अपनी आंतरिक शक्ति खोजने, महानता के लिए प्रयास करने और मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स की दुनिया में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।% संग्राम ने अपने कोचों को उनके महत्वपूर्ण समर्थन के लिए भी श्रेय दिया। उन्होंने कहा, 'मैं अपने भारतीय कोच भूपेश कुमार को उनके अटूट मार्गदर्शन के लिए पर्याप्त धन्यवाद नहीं दे सकता। वे हर कदम पर मेरे साथ रहे हैं। मैं अपने अंतरराष्ट्रीय कोच डेविड सर का भी बहुत आभारी हूं, जिन्होंने मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में आने के दौरान मेरा पूरा साथ दिया और मेरी रणनीति को बेहतर बनाने में मेरी मदद की। मैं इस मुकाबले के लिए उनसे बेहतर तरीके से तैयार नहीं हो सकता था।'

महिला टी20 विश्व कप: यूएई की पिच घरेलू मैदान जैसी, हमें मिलेगा फायदा: मिताली

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट की पूर्व कप्तान मिताली राज का मानना है कि 3 अक्टूबर से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले महिला टी20 विश्व कप में भारत को अन्य टीमों के मुकाबले ज्यादा फायदा होगा क्योंकि यूएई की पिच घरेलू मैदान जैसी ही हैं। आईसीसी ने बांग्लादेश में राजनीतिक अशांति के कारण इसे यूएई के दुबई और शारजाह में कराने का फैसला लिया है।

मिताली ने कहा कि यूएई की परिस्थितियां भी काफी अनुकूल हैं इसलिए हम कह सकते हैं कि हमारी टीम को फायदा मिलेगा लेकिन पूर्व बल्लेबाज ने आत्ममुग्धता से बचने की हिदायत दी क्योंकि हर टीम टूर्नामेंट के लिए पूरी तैयारी कर रही है और मजबूत इरादों के साथ मैदान में उतरेगी। आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने के बावजूद भारतीय महिला टीम को अभी अपना पहला वैश्विक खिताब जीतना बाकी है। मिताली ने कहा कि भारतीय महिला टीम ने अभी तक अंडर-19 विश्व कप के अलावा कोई आईसीसी टूर्नामेंट नहीं जीता है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि मैं चाहूंगी कि टीम अच्छा खेले क्योंकि जब हम विश्व कप में जाते हैं तो हर किसी की तरह हम भी अपनी टीम को जीतते हुए देखना चाहते हैं। भारतीय महिला टीम अपने अभियान का आगाज 4 अक्टूबर को दुबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगी। भारत को ग्रुप-ए में आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ रखा है।

'इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि परिस्थितियां कैसी हैं', बांग्लादेश से पहला टेस्ट जीतकर बोले रोहित शर्मा

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में 280 रन से जीत दर्ज करने के बाद रविवार को यहां कहा कि विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए वह 'मजबूत गेंदबाजी विकल्पों' के आस पास अपनी टीम को तैयार करने पर ध्यान दे रहे हैं। भारत ने अनुभवी रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा के हरफनमौला खेल के साथ शुभमन गिल और ऋषभ पंत की शतकीय पारियों के दम पर पांच सत्र रहते बड़ी जीत दर्ज की।

रोहित ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, 'हम अपनी टीम को मजबूत गेंदबाजी विकल्पों के इर्द-गिर्द बनाना चाहते हैं, हमें किसी भी परिस्थिति का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा।' उन्होंने कहा, 'इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि परिस्थितियां कैसी हैं, चाहे हम भारत में खेलें, चाहे हम बाहर खेलें, हम उसी के अनुरूप टीम बनाना चाहते हैं।' भारतीय कप्तान ने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में हम जहां भी खेले हैं, हम अपने विकल्पों का अच्छे से इस्तेमाल करने में कामयाब रहे हैं। हम तेज गेंदबाजी या स्पिन दोनों विकल्पों को इस्तेमाल करने में सफल रहे हैं।'

हमने अच्छी तैयारी की

बांग्लादेश की टीम जीत के लिए 515 रन के असंभव जैसे लक्ष्य का पीछा करते हुए 234 रन पर आउट हो गई। पहली पारी में बल्ले से 113 रन का योगदान देने वाले अश्विन ने दूसरी पारी में 88 रन पर छह विकेट झटके। रोहित ने कहा, 'आने वाले मैचों को देखते हुए हमारे हमारे लिए यह एक शानदार परिणाम है। हम लंबे समय बाद खेल (टेस्ट मैच) रहे हैं। हम यहां एक सप्ताह पहले आए थे और हमने अच्छी तैयारी की। हमें वह परिणाम मिला जो हम चाहते थे।'

सबसे ज्यादा खुशी पंत की वापसी से

भारतीय कप्तान को सबसे ज्यादा खुशी पंत की इस प्रारूप में यादगार वापसी से है। उन्होंने कहा, 'वह सचमुच बहुत कठिन समय से गुजरा है। जिस तरह उसने मुश्किल समय का सामना किया और खुद को संभाला वह देखना शानदार था। उन्होंने आईपीएल में वापसी की। उसके बाद टी20 विश्व कप में बेहद सफल रहे लेकिन उसे टेस्ट प्रारूप को सबसे ज्यादा पसंद है।'

इंग्लैंड के स्पिनर आदिल ने बनाया रिकार्ड

लीड्स । स्पिनर आदिल राशिद एकदिवसीय क्रिकेट में 200 विकेट लेने वाले इंग्लैंड के पहले स्पिनर बन गये हैं। आदिल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लीड्स में

दूसरे एकदिवसीय मैच के दौरान 42 रन देकर 2 विकेट लिए। इस प्रकार आदिल ने अपने 137 एकदिवसीय मैच में 32.22 की औसत से 201 विकेट लिए हैं। उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन 27 रन देकर 5 विकेट लेना रहा है। उन्होंने इस प्रारुप में 8 बार 4 विकेट और 2 बार 5 विकेट लिए हैं। राशिद एकदिवसीय में इंग्लैंड की ओर से तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, पहले दोनो ही स्थानों पर तेज गेंदबाज गेंदबाज जेम्स एंडरसन 269 विकेट और डैरेन गॉफ 234 विकेट हैं। एंडरसन ने 194 मैचों में अपने 269 विकेट लिए। इस दौरान उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 23 रन देकर पांच विकेट लेना रहा है। वहीं गॉफ ने 158 मैचों में अपने 234 विकेट लिए। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 44 रन देकर पांच विकेट लेना रहा है।

टेस्ट प्रारुप में शतक से वापसी कर उत्साहित हैं ऋषभ

चेन्नई । भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले ही टेस्ट में मिली जीत पर खुशी जतायी है। ऋषभ ने कार हादसे के करीब ड़ेढ साल बाद टेस्ट में वापसी करते हुए इस मैच में शानदार शतक लगाया जिससे वह उत्साहित हैं। साथ ही कहा कि आने वाले समय में उन्हें और अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। ऋषभ ने पहली पारी में 39 रन बनाए जबकि दूसरी पारी में शानदार शतक लगाया। ऋषभ ने ये दोनो ही पारियां इसलिए भी अहम हैं क्योंकि ये कठिन समय में खेली गयीं थीं। इस क्रिकेटर ने पहले टेस्ट में जीत के बाद कहा, सबसे पहले तो मुझे चेन्नई में खेलना पसंद है और दूसरी बात ये है कि मैं वापसी के बाद तीनों प्रारूपों में खेलना चाहता था, यह इस प्रारूप में मेरा पहला मैच था और उम्मीद है कि मैं आगे भी बेहतर प्रदर्शन करूंगा। यह भावनात्मक रुप से मेरे लिए अहम था क्योंकि मैं प्रत्येक खेल में रन बनाना चाहता था। साथ ही कहा, टेस्ट क्रिकेट में वापस आना, जहां मैं सबसे अधिक हूं और मैदान पर होना मुझे किसी भी चीज से अधिक खुशी देता है। मुझे नहीं पता कि लोग बाहर क्या कहते हैं, मैंने अपने तरीके से हालात समझे के प्रयास किये हैं। जब टीम शुरुआती विकेट खो दे तो बड़ी साझेदारी की जरुरत होती है और मैंने वही शुभमन के साथ किया।

दलीप ट्रॉफी: अर्शदीप सिंह का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, भारत डी को मिली सांत्वना जीत

अनंतपुर (एजेंसी)। अर्शदीप सिंह के करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (40 रन पर छह विकेट) के दम पर भारत डी ने दलीप ट्रॉफी मैच में रविवार को यहां चौथे और आखिरी दिन भारत बी को 257 रन के बड़े अंतर से हराकर सांत्वना जीत दर्ज की। भारत डी ने दिन की शुरुआत पांच विकेट पर 244 रन से आगे की लेकिन टीम 305 रन पर आउट हो गई। इसके बाद भारत बी को लगभग 70 ओवर में जीत के लिए 373 रन का मुश्किल लक्ष्य मिला।

अर्शदीप और आदित्य ठाकरे (59 रन पर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के सामने अभिमन्यु ईश्वरन की अगुवाई वाली भारत बी की टीम महज 115 पर आउट हो गई। अर्शदीप ने मैच में 90 रन पर 9 विकेट झटक कर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

उन्होंने पहली पारी की तरह दूसरी पारी में भी भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव (16) का विकेट चटकाया।

ईश्वरन एक बार फिर से दबाव की परिस्थिति में जज्बा दिखाने में विफल रहे और 19 रन बनाकर अर्शदीप की गेंद पर आकाश सेनगुप्ता के द्वारा लपके गए। नीतिश रेड्डी ने 43 गेंद में नाबाद 40 रन की आक्रामक पारी खेलकर टीम को 100 रन के पार पहुंचाया। भारत डी की टीम इस मैच से छह अंक हासिल करने के बावजूद तालिका में सबसे नीचे चौथे स्थान पर रहेगी। टीम अपने शुरुआती दोनों मैचों को हार गयी थी। इससे पहले दिन की शुरुआत में रिकी भुई ने अपने शतक को पूरा किया। उन्होंने 125 गेंद की नाबाद पारी में 15 चौके और तीन छक्के की मदद से 119 रन बनाए। उनके एक छोर संभाले रखने के बावजूद टीम ने 14.3 ओवर में 61 रन जोड़कर अपने बाकी बचे पांच विकेट गंवा दिए। टूर्नामेंट में यह उनका दूसरा शतक था। भारतीय अंडर-19 टीम के इस पूर्व कप्तान ने इस मैच की पहली पारी में भी 56 रन बनाए थे। वह मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए।

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए भारतीय टीम का ऐलान

चेन्नई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने रविवार को यहां शुरुआती टेस्ट में बांग्लादेश को 280 रन से हराने वाली भारतीय टीम को कानपुर में होने वाले दूसरे और अंतिम मैच के लिए बरकरार रखा है। भारतीय टीम ने रविवार को मैच के चौथे दिन की शुरुआती सत्र में ही बड़ी जीत दर्ज की। टीम अपने व्यस्त टेस्ट कार्यक्रम को देखते हुए अगले मैच में प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के साथ कुछ अन्य खिलाड़ियों को विश्राम दे सकती है। बीसीसीआई से जारी बयान के मुताबिक, 'पुरुष चयन समिति ने बांग्लादेश के खिलाफ आईडीएफसी फर्स्ट बैंक टेस्ट श्रृंखला के दूसरे मैच के लिए वही टीम बरकरार रखी है।'

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम -

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आर अश्विन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह, यश दयाल।

लेजेंड्स लीग : 45 साल के मोर्ने वान विक का ताबड़तोड़ शतक, रैना की पारी पड़ी फीकी

खेल डैस्क - लीजेंड्स लीग क्रिकेट 2024 के मैच नंबर तीन में जोधपुर के बरकतुल्लाह खान स्टेडियम में गुजरात ग्रेट्स और टोयम हैदराबाद की टीमें आमने सामने हुईं। पहले खेलने उतरी हैदराबाद की टीम ने कप्तान सुरेन रैना के 27 गेंदों पर 44 रनों की बदौलत 20 ओवरों में 172 रन बनाए थे। लेकिन जवाब में गुजरात टीम के 45 साल के क्रिकेटर मोर्ने वान विक ने ताबड़तोड़ शतक लगाया और अपनी टीम को जीत दिला दी। गुजरात टीम के कप्तान शिखर धवन है जोकि मैच में 21 रन बनाने में कामयाब रहे। टोयम हैदराबाद के कप्तान सुरेश रैना की बात करें तो वह नंबर 5 पर खेलने उतरे थे। उन्होंने 10वें ओवर में जॉन मूनी को 2 चौके और 1 छक्का लगाकर अपने इरादे जाहिर कर दिए। मनन शर्मा द्वारा 27 गेंदों पर 44 रन बनाकर आउट होने तक रैना ने आक्रामक खेल जारी रखा। उनकी पारी में 5 चौके और 2 छक्के शामिल थे। इससे पहले टोयम हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज चैडविक वाल्टन (17) और जॉर्ज वर्कर (13) ज्यादा योगदान नहीं दे सके। शॉन मार्श तीन गेंदों पर एक रन बनाकर मनन शर्मा की गेंद पर आउट हुए। रैना ने 27 गेंदों पर 44 रन बनाए, जबकि गुरकीरत सिंह ने 19 गेंदों पर 26 रन जोड़े, जिसमें 3 चौके शामिल थे। अंत में पीटर ट्रेगो ने 25 गेंदों 36 रन बनाकर 172/7 पर समाप्ति की। जवाब में खेलने उतरी गुजरात टीम को आखिरी ओवर में ही जीत मिली। गुजरात के लिए मोर्ने ने 69 गेंदों पर 8 चौके और 9 छक्कों की मदद से 116 रन बनाए। शिखर धवन ने 21, लिंडेल सिमंस ने 20 तो यशपाल सिंह ने 13 रन बनाए।

स्पिनरों के खिलाफ पैरों का इस्तेमाल करें और हवाई शॉट खेलने से न डरें

चेन्नई, । अपने जमाने के फैशनेवल क्रिकेटर और भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दौरान स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को नेक सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि स्पिनरों के खिलाफ पैरों का इस्तेमाल करते हुए लंबे हवाई शॉट खेलें। एमए चिदंबरम स्टेडियम में शुक्रवार को दूसरी पारी के दौरान कोहली स्पिनर मेहदी हसन मिराज की गेंद पर 17 रन बनाकर आउट हो गए थे। शास्त्री का मानना है कि कोहली को स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ अपने पैरों का इस्तेमाल करते हुए हवाई शॉट्स खेलने से हिचकिचाना नहीं चाहिए। रवि शास्त्री ने मैच के दौरान कमेंट्री में ही कहा, कि विराट कोहली पिछले कुछ वर्षों में कई बार स्पिनरों का शिकार हुए हैं, लेकिन उन्होंने कई रन भी बनाए हैं। आप उन्हें पैरों का इस्तेमाल करते हुए देखना चाहेंगे, जैसे कि गेंद की पिच पर जाकर खेलें, या शायद स्वीप शॉट का इस्तेमाल करें। स्पिनरों को परेशान करने के लिए कुछ अलग करने की जरूरत है, बजाय इसके कि उन्हें अपने ऊपर दबाव बनाने दिया जाए। जब उन्होंने बहुत रन बनाए थे, तब उन्होंने ऐसा ही किया था। कोहली, जिन्होंने पहली पारी में केवल छह रन बनाए थे, पिछले दो वर्षों से घरेलू धरती पर टेस्ट क्रिकेट में रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कोहली का आखिरी टेस्ट शतक पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ पोर्ट ऑफ स्पेन में आया था। 2021 से अब तक, उन्होंने एशिया में 23 पारियों में 29.72 की औसत से 654 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। शास्त्री की सलाह से साफ जाहिर होता है कि वे कोहली को पुराने आक्रामक अंदाज में वापस देखना चाहते हैं, जहां वे अपने फुटवर्क और हवाई शॉट्स के जरिए स्पिन गेंदबाजों पर हावी रहते थे।

ऑस्ट्रेलिया में भारत की संभावनाओं के लिए अहम होगी बुमराह और पंत की फिटनेस और फॉर्म : चैपल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान इयान चैपल ने कहा कि अगर भारत को ऑस्ट्रेलिया में श्रृंखलाओं की जीत की ऐतिहासिक हैट्रिक हासिल करनी है तो तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को चोटों से मुक्त और शीर्ष फॉर्म में रहना होगा। चैपल को लगता है कि भारतीय टीम के लिए इस विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में पांच टेस्ट मैच आस्ट्रेलिया के खिलाफ द्विपक्षीय श्रृंखला से पहले आदर्श तैयारी है जिसमें न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट भी शामिल हैं।

चैपल ने 'ईएसपीएन क्रिकइन्फो' में अपने कॉलम में लिखा, ''भारत की प्राथमिकता यही होगी कि उसके ज्यादातर खिलाड़ी फॉर्म में रहें और उन्हें कोई बड़ी चोट नहीं लगे। हालांकि सबसे ज्यादा जरूरी बात जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत का फॉर्म में रहना और चोटों से मुक्त रहना होगा।'' उन्होंने कहा, ''पंत ने भयानक कार दुर्घटना के बाद जिस तरह से टेस्ट में वापसी की है, वह शानदार है। वह भारतीय बल्लेबाजी क्रम में अहम विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं और अगर वह ऑस्ट्रेलियाई दौरे के लिए फॉर्म में रहते हैं तो टीम का मनोबल बढ़ा रहेगा।''

पंत 2020-21 में भारत को आस्ट्रेलिया में पिछली श्रृंखला में मिली जीत के नायक रहे थे। चैपल ने कहा, ''अगर पंत अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकते हैं तो यह भारत के लिए अच्छा होगा क्योंकि वह ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों के लिए आदर्श विकेटकीपर हैं।'' उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में भारत के लिए अहम पहलू बुमराह की फिटनेस और फॉर्म होगी। बुमराह ने अगस्त 2023 में पीठ के निचले हिस्से में 'स्ट्रेस फ्रेक्चर' सर्जरी के बाद वापसी के बाद से अपना कार्यभार अच्छी तरह प्रबंधित किया है।

चैपल ने कहा, ''पिछले ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर दो सबसे सफल तेज गेंदबाज बुमराह और मोहम्मद सिराज दोनों की अच्छी फॉर्म और फिटनेस जरूरी है। बुमराह तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करते हैं।'' वह मोहम्मद शमी के भी श्रृंखला शुरू होने से पहले फिट होने की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''अगर मोहम्मद शमी ऑस्ट्रेलिया के लिए फिट हो जाते हैं तो यह आदर्श होगा और उनकी मौजूदगी से भारत के गेंदबाजी आक्रमण में विविधता भी बढ़ेगी।'' उन्होंने कहा, ''जडेजा और अश्विन के साथ स्पिन गेंदबाजी भी अच्छी है। लेकिन मैं ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर कुलदीप यादव की अहमियत को कम नहीं आकूंगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पितरों की आत्मा की शांति के लिए करें मात्र एक ही उपाय

आश्विन माह के प्रथम दिवस 17 सितंबर से श्राद्धपक्ष प्रारंभ हो गए जिन्हें 16 श्राद्ध कहा जाता है। इस दिन पितरों की शांति के लिए तर्पण और पिंडदान के अलावा कई तरह के अनुष्ठान किए जाते हैं। आओ जानते हैं कि कौनसा एकमात्र उपाय करने से पितरों को मिलेगी शंति और पितृदोष होगा दूर।

पितृ शांति के लिए उपाय

- नियमित रूप से 16 दिन तक गौ माता को घी मिली आटे की लोइयां बनाकर खिलाएं और उनकी पूजा और सेवा करें। हो सके तो हरा चारा खिलाएं।
- यदि उपरोक्त कार्य नहीं कर सकते हो तो श्राद्ध पक्ष में जब भी मंगलवार आए तो उस दिन हनुमान मंदिर जाकर के बजरंगबली को चोला चढ़ाएं और उनसे पितरों की मुक्ति एवं शांति की कामना करें।
- पंचबली कर्म – इसके अलावा आप चाहें तो पंचबलि कर्म भी कर सकते हो। किस भी श्राद्ध तिथि में पंचबलि कर्म अर्थात गाय, कौवे, कुत्ते, चींटी और देवताओं को अन्न जल अर्पित करना चाहिए। ब्राह्मण भोज कराना चाहिए।

शुभ मुहूर्त

श्राद्धपक्ष में यदि आप पितरों के निमित्त, तर्पण, पिंडदान, पूजा आदि अनुष्ठान कर रहे हैं तो शास्त्रों के अनुसार कुतुप काल मुहूर्त में यह कर्म करें। शास्त्रों के अनुसार कुतुप, रोहिणी, मध्याह्न और अभिजीत काल में श्राद्ध करना चाहिए। यही श्राद्ध करने का सही समय है।

क्या है कुतुप काल

कुतुप काल दिन के 11.30 बजे से 12.30 के मध्य का समय होता है। वैसे कुतुप बेला दिन का आठवां मुहुर्त होता है। पाप का शमन करने के कारण इसे कुतुप कहा गया है।

इन 5 स्थानों पर रखें श्राद्ध का आहार

'श्राद्ध' शब्द 'श्रद्धा' से बना है यानी अपने पूर्वजों के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करना। श्राद्ध न करने वाले दलील देते हैं कि जो मर गया है उसके निमित्त कुछ करने का औचित्य नहीं है। यह ठीक नहीं है, क्योंकि संकल्प से किए गए कर्म जीव चाहे जिस योनि में हो, उस तक पहुंचता है तथा वह तृप्त होता है। यहां तक कि ब्रह्मा से लेकर घास तक तृप्त होते हैं। श्राद्ध करने का अधिकार सर्वप्रथम पुत्र को है तथा क्रमशः पुत्र, पौत्र, प्रपौत्र, दौहित्र, पत्नी, भाई, भतीजा, पिता, माता, पुत्रवधू, बहन, भानजा तथा सगौत्री कहे गए हैं। इनमें ज्यादा या सभी करें तो भी फल प्राप्ति सभी को होती है।

श्राद्ध में ब्राह्मण भोजन तथा पंचबलि कर्म किया जाता है। पंचबलि में गाय, कुत्ता और कौवा के साथ 5 स्थानों पर भोजन रखा जाता है। वे हैं–

प्रथम गौ बलि– घर से पश्चिम दिशा में गाय को महुआ या पलाश के पत्तों पर गाय को भोजन कराया जाता है तथा गाय को 'गौभ्यो नमः' कहकर प्रणाम किया जाता है। गौ देशी होना चाहिए।

द्वितीय श्वान बलि– पत्ते पर भोजन रखकर कुत्ते को भोजन कराया जाता है।

तृतीय काक बलि– कौओं को छत पर या भूमि पर रखकर उनको बुलाया जाता है जिससे वे भोजन करें।

चतुर्थ देवादि बलि– पत्तों पर देवताओं को बलि घर में दी जाती है। बाद में वह उठाकर घर से बाहर रख दी जाती है।

पंचम पिपलिकादि बलि– चींटी, कीड़े-मकौड़ों आदि के लिए जहां उनके बिल हों, वहां चूरा कर भोजन डाला जाता है।

श्राद्ध करने का आदर्श समय : मध्याह्न 1130 से 1230 तक है जिसे 'कुतप बेला' कहा जाता है। इसका बड़ा महत्व है।

तरक्की में बाधा बन सकता है पितृ दोष

जान लें मुक्ति के उपाय

सनातन धर्म की मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष एक महत्वपूर्ण अवधि मानी जाती है। पितरों के प्रसन्न होने पर जीवन में सुख-समृद्धि आती है लेकिन इसके विपरीत पितरों के नाराज होने पर व्यक्ति को कई तरह की समस्याएं घेर लेती हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं कि पितृ दोष होने पर व्यक्ति को क्या संकेत मिलते हैं और इससे किस प्रकार मुक्ति पाई जा सकती है।

भाद्रपद शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा से पितृपक्ष की शुरुआत मानी जाती है, वहीं इसका समापन आश्विन माह की अमावस्या तिथि पर होता है। ऐसे में इस साल पितृपक्ष की शुरुआत 17 सितंबर 2024 से हो चुकी है, जिसका समापन बुधवार, 02 अक्टूबर को होगा। वहीं पितृ पक्ष की समाप्ति पर यानी 02 अक्टूबर को सूर्य ग्रहण लगने जा रहा है।

मिलते हैं ये संकेत

यदि आपके घर में पितृ दोष लग गया है तो व्यक्ति को कड़ी मेहनत के बाद भी सफलता हाथ नहीं लगती। पितृ दोष होने के कारण व्यक्ति की तरक्की भी रुक जाती है। साथ ही कारोबार में भी नुकसान होने लगता है। इतना ही नहीं एक के बाद एक दुर्घटनाएं होने लगती हैं। यह सभी संकेत पितृ दोष होने की तरफ इशारा करते हैं।

ऐसे पाएं मुक्ति

पितृदोष से मुक्ति के लिए पितृपक्ष की अवधि को सबसे उत्तम माना गया है। ऐसे में आपको पितृ दोष से मुक्ति के लिए पितृ पक्ष में उनका तर्पण, पिंडदान, और श्राद्ध कर्म जरूर करने चाहिए। इसके साथ ही पितरों के निमित्त भोजन और जल निकालें व पितरों का आह्वान कर, उन्हें ये सभी सामग्री अर्पित कर दें। इससे पितरों की नाराजगी दूर हो सकती है।

पितृ होंगे प्रसन्न

पितृ पक्ष में पीपल के पेड़ की पूजा जरूर करनी चाहिए। मान्यताओं के अनुसार, पीपल के वृक्ष में पितरों का वास होता है। ऐसे में पितृपक्ष के दौरान सूर्योदय से पहले उठकर स्नान आदि से निवृत हो जाएं। इसके बाद पीपल के पेड़ में जल अर्पित करें और सात बार परिक्रमा करें। साथ ही वृक्ष के नीचे काले तिल डालकर सरसों के तेल का दीपक जलाएं और पितरों का स्मरण करें। इस उपाय से पितृ प्रसन्न होते हैं।

इस दिशा में जलाएं दीपक

पितृपक्ष के दौरान आपको पितरों के नाम का दीया जरूर जलाना चाहिए। पौराणिक मान्यता के अनुसार, दक्षिण दिशा पितरों की दिशा मानी जाती है। ऐसे में पितृपक्ष में रोजाना इस दिशा में पितरों के नाम का दीपक जरूर जलाएं। साथ ही पितृ दोष से मुक्ति के लिए जल में काले तिल डालकर दक्षिण दिशा की ओर अर्घ्य देना चाहिए।

16 दिनों में न भूलें ये बातें पितरों का करें सम्मान

श्राद्ध पक्ष में पितरों के निमित्त घर में क्या कर्म करना चाहिए। यह जिज्ञासा सहजतावश अनेक व्यक्तियों में रहती है। यदि हम किसी भी तीर्थ स्थान, किसी भी पवित्र नदी, किसी भी पवित्र संगम पर नहीं जा पा रहे हैं तो निम्नांकित सरल एवं संक्षिप्त कर्म घर पर ही अवश्य कर लें :

- प्रतिदिन खीर (अर्थात दूध में पकाए हुए चावल में शक्कर एवं सुगंधित द्रव्य जैसे इलायची, केसर मिलाकर तैयार की गई सामग्री को खीर कहते हैं) बनाकर तैयार कर लें।
- गाय के गोबर के कंडे को जलाकर पूर्ण प्रज्वलित कर लें।
- उक्त प्रज्वलित कंडे को शुद्ध स्थान में किसी बर्तन में रखकर, खीर से तीन आहुति दे दें।
- इसके नजदीक (पास में ही) जल का भरा हुआ एक गिलास रख दें अथवा लोटा रख दें।
- इस द्रव्य को अगले दिन किसी वृक्ष की जड़ में डाल दें।
- भोजन में से सर्वप्रथम गाय, काले कुत्ते और कौए के लिए ग्रास अलग से निकालकर उन्हें खिला दें। इसके पश्चात ब्राह्मण को भोजन कराएं फिर स्वयं भोजन ग्रहण करें। पश्चात ब्राह्मणों को यथायोग्य दक्षिणा दें।

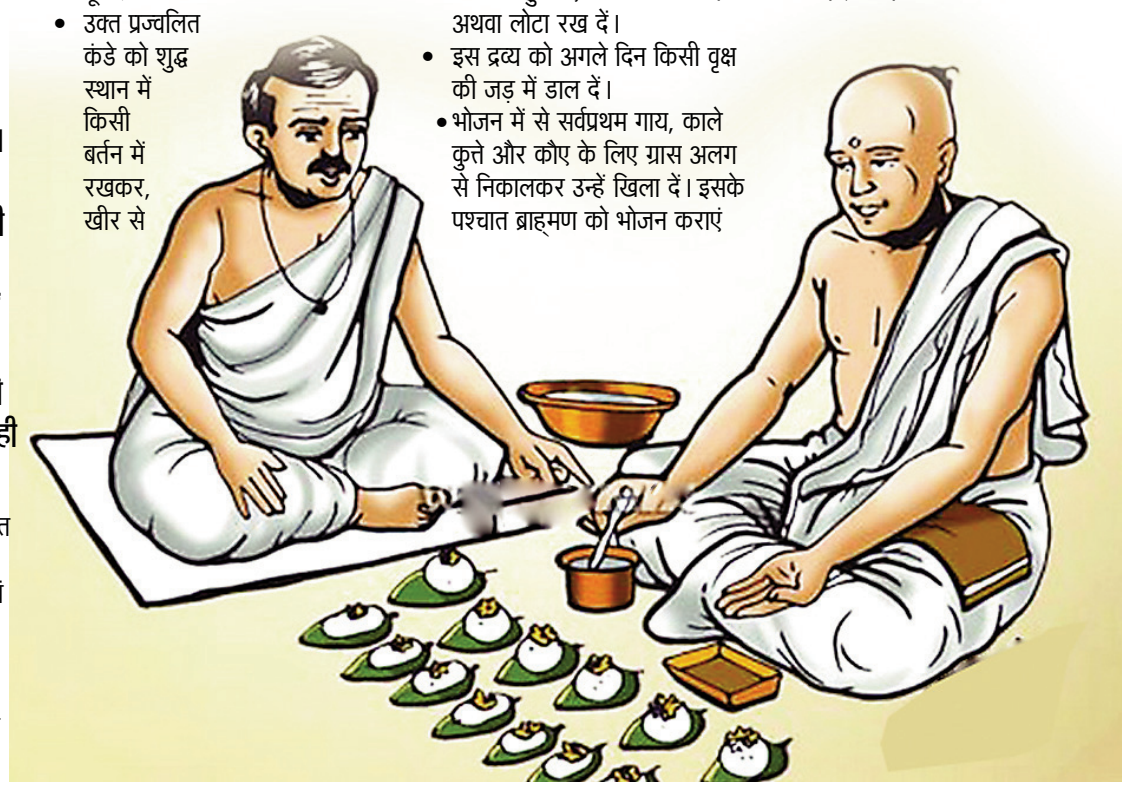

क्या हैं श्राद्धकर्ता व श्राद्धभोक्ता के लिए शास्त्र के निर्देश

श्राद्ध पक्ष में सभी सनातनधर्मी अपने पितरों के निमित्त श्राद्धकर्म करते हैं। सनातन धर्म के सभी अनुयायियों को अपने पितरों के निमित्त श्राद्ध अवश्य करना चाहिए। श्राद्ध के दो मुख्य अंग हैं– 1. पिण्डान 2. ब्राह्मण भोजन। हमारे शास्त्रों में श्राद्ध करने वाले (श्राद्धकर्ता) और श्राद्ध में भोजन करने वाले ब्राह्मण (श्राद्धभोक्ता) के लिए कुछ नियम निर्धारित किए हैं। आइए जानते हैं क्या हैं वे नियम–

श्राद्धकर्ता के लिए नियम

शास्त्रानुसार श्राद्धकर्ता को श्राद्ध वाले दिन निम्न नियमों का पालन आवश्यक रूप से करना ही चाहिए–

- पूर्णरूपेण सात्विक मनोदशा रखें।
- पान इत्यादि भक्षण ना करें।
- तेल मालिश, दाढ़ी, केशकर्तन इत्यादि ना कराए।
- स्त्री के साथ सहवास ना करें।
- किसी दूसरे के घर अथवा बाहर भोजन ना करें।

श्राद्धभोक्ता के लिए नियम

शास्त्रानुसार श्राद्धभोक्ता को श्राद्ध वाले दिन निम्न नियमों का पालन आवश्यक रूप से करना ही चाहिए–

- श्राद्धभोज करने के उपरांत उसी दिन दूसरे घर में दोबारा श्राद्धभोजन ना करें।
- लम्बी यात्रा ना करें।
- श्राद्धभोज वाले दिन दान ना दें।
- स्त्री के साथ सहवास ना करें।
- भोजन करते समय मौन रहकर भोजन करें।

श्राद्ध किस जगह करें और किस जगह नहीं करें

भाद्रपद की पूर्णिमा से अश्विन माह की अमावस्य तक श्राद्ध पक्ष चलता है जिसे पितृपक्ष भी कहते हैं। यदि आप इस दौरान अपने पितरों का श्राद्ध, तर्पण या पिंडदान करने जा रहे हैं तो यह भी जान लें कि शास्त्रों के अनुसार किस जगह श्राद्ध करना चाहिए और किस जगह पर नहीं। यदि अनुचित जगह पर श्राद्ध किया तो उसका फल नहीं मिलता है।

पितृपक्ष में कहां श्राद्ध करना चाहिए?

- **घर पर** : श्राद्ध आप अपने घर में भी कर सकते हैं। दक्षिण में मुख करके श्राद्ध किया जाता है।
- **तट पर** : किसी पवित्र नदी, नदी संगम, समुद्र में गिरने वाली नदियों के तट पर उचित समय में विधि-विधान से श्राद्ध किया जा सकता है।
- **बरगद के नीचे** : पवित्र वट-वृक्ष के नीचे भी श्राद्ध कर्म किया जा सकता है।
- **तीर्थ क्षेत्र** : शास्त्रों में उल्लेखित किसी तीर्थ क्षेत्र में भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **समुद्र तट पर** : समुद्र के तट पर भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **गोशाला** : जहां बैल न हों ऐसी गौशाला में भी उचित स्थान को गोबर से लिपकर शुद्ध करके श्राद्ध किया जा सकता है।
- **पर्वत पर** : पवित्र पर्वत शिखर पर भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **जंगल में** : वनों में उचित स्थान, स्वच्छ और मनोहर भूमि पर भी विधिपूर्वक श्राद्ध किया जा सकता है।

पितृपक्ष में कहां पर श्राद्ध नहीं करना चाहिए?

- **दूसरों की भूमि पर** : किसी की पर्सनल भूमि पर श्राद्ध नहीं करते हैं। भूमि सार्वजनिक होना चाहिए। अगर दूसरे के गृह या भूमि पर श्राद्ध करना पड़े तो किराया या दक्षिणा भूस्वामी को दे देना चाहिए।
- **अपवित्र भूमि** : किसी भी प्रकार से अपवित्र हो रही भूमि पर भी श्राद्ध नहीं करते हैं।
- **शमशान में** : किसी ऐसे शमशान में श्राद्ध नहीं कर सकते हैं जिसे तीर्थ नहीं माना जाता।
- **देव स्थान पर** : किसी मंदिर के अंदर या देवस्थान पर भी श्राद्ध कर्म नहीं करना चाहिए। इसके लिए पंडित से सलाह लें।

श्राद्ध कर्म या तर्पण करने के भारत में कई स्थान है, लेकिन पवित्र फल्गु नदी के तट पर बसे प्राचीन गया शहर की देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी पितृपक्ष और पिंडदान को लेकर अलग पहचान है।

माता-पिता समेत सात पीढ़ियों का उद्धार करता है गयाजी में पिंडदान

पुराणों के अनुसार पितरों के लिए खास आश्विन माह के कृष्ण पक्ष या पितृपक्ष में मोक्षधाम गयाजी आकर पिंडदान एवं तर्पण करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है और माता-पिता समेत सात पीढ़ियों का उद्धार होता है।

पितृ की श्रेणी में मृत पूर्वजों, माता, पिता, दादा, दादी, नाना, नानीसहित सभी पूर्वज शामिल होते हैं। व्यापक दृष्टि से मृत गुरू और आचार्य भी पितृ की श्रेणी में आते हैं। कहा जाता है कि गया में पहले विभिन्न नामों के 360 वेदियां थीं जहां पिंडदान किया जाता था। इनमें से अब 48 ही बची है। यहां की वेदियों में विष्णुपद मंदिर, फल्गु नदी के किनारे और अक्षयवट पर पिंडदान करना जरूरी माना जाता है। इसके अतिरिक्त वैतरणी, प्रेतशिला, सीताकुंड, नागकुंड, पांडुशिला, रामशिला, मंगलागौरी, कागबलि आदि भी पिंडदान के लिए प्रमुख है। यही कारण है कि देश में श्राद्ध के लिए 55 स्थानों को महत्वपूर्ण माना गया है जिसमें बिहार के गया का स्थान सर्वोपरि है। आओ जानते हैं इसके 5 कारण।

- गयासुर नामक असुर ने कठिन तपस्या कर ब्रह्माजी से वरदान मांगा था कि उसका शरीर देवताओं की तरह पवित्र हो जाए और लोग उसके दर्शन मात्र से पापमुक्त हो जाएं। इस वरदान के चलते लोग भयमुक्त होकर पाप करने लगे और गयासुर के दर्शन करके फिर से पापमुक्त हो जाते थे। इससे बचने के लिए यज्ञ करने के लिए देवताओं ने गयासुर से पवित्र स्थान की मांग की। गयासुर ने अपना शरीर देवताओं को यज्ञ के लिए दे दिया। जब गयासुर लेटा तो उसका शरीर पांच कोस में फैल गया। यही पांच कोस जगह आगे चलकर गया बना।
- देह दान देने के बाद गयासुर के मन से लोगों को पाप मुक्त करने की इच्छा नहीं गई और फिर उसने देवताओं से वरदान मांगा कि यह स्थान लोगों को तारने वाला बना रहे। तब से ही यह स्थान मृतकों के लिए श्राद्ध कर्म कर मुक्ति का स्थान बन गया।
- कहते हैं कि गया वह आता है जिसे अपने पितरों को मुक्त करना होता है। लोग यहां अपने पितरों या मृतकों की आत्मा को हमेशा के लिए छोड़कर चले जाता है। मतलब यह कि प्रथा के अनुसार सबसे पहले किसी भी मृतक तो तीसरे वर्ष श्राद्ध में लिया जाता है और फिर बाद में उसे हमेशा के लिए जब गया छोड़ दिया जाता है तो फिर उसके नाम का श्राद्ध नहीं किया जाता है। कहते हैं कि गया में श्राद्ध करने के उपरांत अंतिम श्राद्ध बदरीका क्षेत्र के 'ब्रह्मकपाली' में किया जाता है।
- गया क्षेत्र में भगवान विष्णु पितृदेवता के रूप में विराजमान रहते हैं। भगवान विष्णु मुक्ति देने के लिए 'गदाधर' के रूप में गया में स्थित हैं। गयासुर के विशुद्ध देह में ब्रह्मा, जनार्दन, शिव तथा प्रपितामह स्थित हैं। अतः पिंडदान के लिए गया सबसे उत्तम स्थान है।
- पुराणों अनुसार ब्रह्मज्ञान, गयाश्राद्ध, गोशाला में मृत्यु तथा कुरुक्षेत्र में निवास- ये चारों मुक्ति के साधन हैं- गया में श्राद्ध करने से ब्रह्महत्या, सुरापान, स्वर्ण की चोरी, गुरुपत्नीगमन और उक्त संसर्ग-जनित सभी महापातक नष्ट हो जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

अलगाववादियों ने न्यूजीलैंड के पायलट को किया रिहा, 19 महीनों से बना रखा था बंधक

वेलिंगटन, एजेंसी। अशांत पापुआ क्षेत्र में एक साल से अधिक समय से बंधक बनाए गए न्यूजीलैंड के पायलट को अलगाववादी विद्रोहियों से छोड़ दिया। इंडोनेशिया के अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। बंधक बनाए पायलट की पहचान फिलिप मार्क्स मेहरटेंस के तौर पर की गई है, जो क्राइस्टचर्च के रहने वाले हैं। वह इंडोनेशिया एविएशन कंपनी सुसी एयर के लिए काम करते हैं। अलगाववादी विद्रोहियों ने शनिवार को फिलिप को कार्टेन्ज पीस टास्कफोर्स को सौंप दिया। बता दें कि कार्टेन्ज पीस टास्कफोर्स इंडोनेशिया की सुरक्षा बल है। टास्कफोर्स के प्रवक्ता बायु सुसेनो ने कहा, वह हमें अच्छे स्वास्थ्य के साथ मिले। उन्हें स्वास्थ्य जांच के लिए तिमिका ले जाया गया है। फ्री पापुआ मूवमेंट के एक क्षेत्रीय कमांडर एगियानस कोगोया के नेतृत्व वाली स्वतंत्रता सेनानियों ने पिछले साल सात फरवरी को फिलिप मेहरटेंस का अपहरण किया था। कोगोया ने पहले कहा कि जब तक इंडोनेशिया सरकार पापुआ को एक संप्रभु देश बनने की अनुमति नहीं देती, तब तक वे फिलिप को रिहा नहीं करेंगे। हालांकि, इस बीच वेस्ट पापुआ लिबरेशन आर्मी ने कहा था कि वे फिलिप को एक साल तक बंधक बनाने के बाद रिहा कर देंगे।

अमेरिका में भारतीय दूतावास के अधिकारी का शव मिला

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में भारतीय दूतावास के एक अधिकारी का शव मिला है। न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट में बताया गया है कि अधिकारी का शव भारतीय मिशन के परिसर में ही बरामद हुआ है। भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को बताया कि 18 सितंबर की शाम एक भारतीय अधिकारी की मौत हो गई है। एजेंसियां परिवार के सदस्यों के साथ संपर्क में है। अधिकारी के शव को जल्द से जल्द भारत वापस भेजा जाएगा। स्थानीय पुलिस और सीक्रेट सर्विस घटना की जांच कर रही हैं। पुलिस ने जांच में आत्महत्या के एंगल को भी शामिल किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पुलिस ने कहा कि यह सुसाइड का मामला लग रहा है और इसकी जांच की जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि शुरुआती जांच में ऐसा लगता है कि शख्स ने खुद को फांसी लगा ली थी। दूतावास ने परिवार की गोपनीयता के मद्देनजर मृतक अधिकारी से जुड़ी जानकारियां सार्वजनिक नहीं की हैं। तुर्की में राजदूत वीरेंदर पॉल का निधन हुआ था इसी साल जून में तुर्की में भारतीय राजदूत वीरेंदर पॉल की मौत हो गई थी। वे लंबे समय से स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे।

तंजानिया में हैजा फैलने से तीन लोगों की मौत, 84 बीमार

दार एस सलाम, एजेंसी। तंजानिया के काटावी क्षेत्र में तांगानिका झील के तट पर हैजा फैलने से तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं इसमें 84 अन्य लोगों के बीमार होने की खबर है। कटावी क्षेत्रीय चिकित्सा अधिकारी रामधनी करुमे ने शिन्हुआ को बताया कि दो सप्ताह पहले इस क्षेत्र में प्रकोप की पहली बार सूचना मिलने के बाद 84 हैजा रोगियों में से 19 को आइसोलेटेड हेल्थ सेंटर में भर्ती कराया गया, जबकि अन्य मरीजों को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने बताया कि सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र कलेमा और इकोला वॉर्ड हैं, क्योंकि यहां के कई निवासी तांगानिका झील का दूषित पानी पी रहे हैं। काटावी क्षेत्रीय आयुक्त म्वानाम्वुआ मुन्दोको ने सभी जिला आयुक्तों को निर्देश दिया है कि वे अपने क्षेत्रों में स्वच्छता के सख्त उपायों को लागू करें, ताकि इस बीमारी को और फैलने से रोका जा सके।

बेरूत पर इजरायली हवाई हमले में 12 लोगों की मौत, हिजबुल्लाह ने की जवाबी कार्रवाई

बेरूत, एजेंसी। हिजबुल्लाह ने पश्चिमी गैलिली में 30 से अधिक बस्तियों और उत्तरी इजरायल में एक प्रमुख खुफिया अड्डे पर 100 से अधिक रॉकेट दागे हैं। बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर इजरायली हवाई हमले का बदला लेने के लिए हिजबुल्लाह ने यह कार्रवाई की है, जिसमें कम से कम 12 लोग मारे गए और 66 अन्य घायल हो गए थे। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने शुक्रवार को लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से बताया, इजरायली हमले में बेरूत के उपनगर दहिएह के जमौस इलाके में एक इमारत को निशाना बनाया गया। बचाव दलों का रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। स्थानीय टीवी फुटेज में घनी आबादी वाले इलाके में भारी नुकसान और अराजकता दिखाई गई। लेबनानी मीडिया ने बताया कि हमले में हिजबुल्लाह जिहाद काउंसिल के सदस्य इब्राहिम अकील को निशाना बनाया गया। इजरायल रक्षा बलों के प्रवक्ता डेनियल हगारी ने कहा कि ऑपरेशन के दौरान लेबनानी समूह के अन्य वरिष्ठ कमांडरों के साथ अकील भी मारा गया। हालांकि, हिजबुल्लाह ने अकील की स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

देश के लिए खतरनाक टेलीग्राम, यूक्रेन ने कर दिया बैन, बोला- रूस जासूसी कर रहा

कीव, एजेंसी। रूस से युद्ध के बीच यूक्रेन की सरकार ने टेलीग्राम पर बैन लगा दिया है। यूक्रेन का कहना है कि सरकारी और सेना के अधिकारियों का टेलीग्राम इस्तेमाल करना खतरनाक साबित हो सकता है क्योंकि रूस इसका इस्तेमाल जासूसी क लिए कर सकता है। शुक्रवार को यूक्रेन के नेशनल सिक्योरिटी ऐंड डिफेंस काउंसिल ने इसका ऐलान किया है। इससे पहले यूक्रेन की जीयूआर मिलिटरी इंटेलिजेंस एजेंसी ने बताया था कि किस तरह रूस इस प्लेटफॉर्म में सेंध लगाने में सक्षम है।

यूक्रेन का कहना है कि टेलीग्राम पर बैन राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है। बता दें कि यूक्रेन और रूस दोनों ही देशों में टेलीग्राम का धड़ल्ले से इस्तेमाल होता है। दोनों देशों में युद्ध छिड़ने के बाद टेलीग्राम पर ही कई जानकारियां साझा की जाती थीं। जेलेंस्की ने कहा कि जिन अधिकारियों को अपनी ड्यूटी के लिए टेलिग्राम का इस्तेमाल करना है उनपर प्रतिबंध लागू नहीं होंगे।

बता दें कि रूस में जन्मे पावेल दुरोव ही टेलीग्राम के संस्थापक हैं। 2014 में वह रूस छोड़कर दुबई चले गए ते। बीते महीने अवैध सामग्री पब्लिश करने के आरोप में टेलीग्राम के दुरोव को फ्रांस में गिरफ्तार कर लिया गया है। यूक्रेन की काउंसिल का कहना है कि रूस टेलीग्राम के संदेशों को पकड़ सकता है। यहां तक कि डिलीट किए गए मेसेज भी वह पढ़ सकता है। जेलेंस्की ने कहा, मैंने हमेशा ही अभिव्यक्तिक की

आजादी का समर्थन किया है लेकिन टेलीग्राम का इस्तेमाल इससे जुड़ा नहीं है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा है।

टेलीग्राम ने सफाई देते हुए कहा है कि इस प्लेटफॉर्म ने कभी किसी भी देश को डेटा नहीं दिया है। वहीं जो सामग्री डिलीट कर दी जाती है उसे वापस नहीं लाया जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन में 33000 टेलीग्राम चैनल ऐक्टिव हैं। वहीं यूक्रेन की मीडिया के मुताबिक 75 प्रतिशत लोग कम्युनिकेशन के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं।

राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की ने रूस, चीन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ईरान के नागरिकों सहित 42 कानूनी संस्थाओं और छह व्यक्तियों के विरुद्ध प्रतिबंध लगाने वाले आदेशों पर हस्ताक्षर किए है। दस्तावेजों के अनुसार प्रतिबंध रूस, चीन, यूएई और ईरान में पंजीकृत परिवहन, विनिर्माण और व्यापार, निर्माण, निवेश और औद्योगिक कंपनियों पर लागू होते हैं। इनमें रूसी जहाज प्रकाश संयंत्र मायाक और कज़ान स्टेट गनपाउडर प्लांट शामिल हैं। रूस, चीन और ईरान के कई नागरिकों पर भी प्रतिबंध लगाए गए।

ये प्रतिबंध दस साल के लिए लगाए गए हैं और इनमें यूक्रेन के क्षेत्र वाले समुद्र, उसके आंतरिक जल और बंदरगाहों में विदेशी जहाजों और सैन्य जहाजों के प्रवेश पर प्रतिबंध या प्रतिबंध की परिकल्पना की गई है। विमानों के लिए यूक्रेन के हवाई क्षेत्र में प्रवेश करना या उतरना भी प्रतिबंधित है।

प्रतिबंधों में परिसंपत्तियों को अवरुद्ध करना, व्यापार संचालन पर प्रतिबंध (पूर्ण समाप्ति), यूक्रेन के बाहर पूंजी के बहिर्वाह को रोकना, प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण पर प्रतिबंध, बौद्धिक संपदा अधिकार, आर्थिक और वित्तीय दायित्वों की पूर्ति का निलंबन एवं भूमि भूखंडों का अधिग्रहण शामिल है।

यूएस सीक्रेट सर्विस ने माना ट्रंप पर हमले के वक्त हुई लापरवाही, सतर्क नहीं थे जवान

वॉशिंगटन, एजेंसी। जुलाई में पेंसिल्वेनिया में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर रैली के दौरान जानलेवा हमला हुआ था। इस हमले में ट्रंप की सुरक्षा में लगे यूएस सीक्रेट सर्विस के जवानों पर लापरवाही के आरोप लगे थे। अब यूएस सीक्रेट सर्विस ने भी माना है कि उनकी तरफ से संचार संबंधी कमियां थीं और जवानों की सतर्कता में भी कमी थी। शुक्रवार को यूएस सीक्रेट सर्विस के कार्यवाहक निदेशक रोनाल्ड रोवे ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि कुछ एजेंट्स की तरफ से लापरवाही बरती गई, जिसके कारण सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन हुआ। उन्होंने कहा कि एजेंसी के कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। गौरतलब है कि 13 जुलाई को पेंसिल्वेनिया की रैली में ट्रंप पर हुए हमले के कारण सीक्रेट सर्विस की खूब आलोचना हुई थी और इसके चलते सीक्रेट सर्विस की पूर्व निदेशक को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था। आलोचकों ने इस बात पर चिंता जताई थी कि संदिग्ध हमलावर रैली स्थल पर सामने की छत पर कैसे पहुंच गया, जबकि वहां से सीधे सामने ही ट्रंप भाषण दे रहे हैं। और इसके पूर्व निदेशक को इस्तीफा देना पड़ा। आलोचकों ने इस बात पर चिंता जताई कि संदिग्ध व्यक्ति पास की छत तक कैसे पहुंच पाया, जहां से पूर्व राष्ट्रपति सीधे भाषण दे रहे थे। रैली में हुई गोलीबारी में डोनाल्ड ट्रंप के कान को छूते हुए गोली निकल गई थी और पूर्व राष्ट्रपति बाल-बाल बच गए थे। हालांकि गोलीबारी में रैली में शामिल एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और दो अन्य लोग घायल हो गए थे। अब सीक्रेट सर्विस ने कहा है कि वह सुरक्षा चूक के लिए शर्मिंदा है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप पर एक बार फिर हमले की कोशिश हुई।

चीन की ब्यूटीफुल गवर्नर को 13 साल की सजा और लाखों का जुर्माना, 58 पुरुषों के साथ संबंध बनाने का आरोप

बीजिंग, एजेंसी। दक्षिणी-पश्चिम चीन की एक महिला को कदाचार के लिए 13 साल की सजा और एक मिलियन युआन

यानी की 183000 अमेरिकी डॉलर (15276922.35 रुपये) जुर्माना लगाया गया है। महिला की खूबसूरती के कारण उसे ब्लूटीफुल गवर्नर (सुंदर राज्पाल) के नाम से भी जाना जाता है। उसकी पहचान झोंग यांग के तौर पर की गई है। 52 वर्षीय झोंग पर 58 पुरुषों के साथ यौन संबंध बनाने का आरोप है। वह पुरुषों से इसके लिए रिश्वत के तौर पर 60 मिलियन युआन लेती थी। 58 पुरुषों के साथ यौन संबंध बनाने का आरोप झोंग गुइझोउ प्रांत के कियानान में चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के गवर्नर और उप सचिव के रूप में काम कर चुकी है। उन्होंने इतिहास में स्नातक करने के बाद 1994 में पार्टी में शामिल हो गई थी। झोंग को फल और कृषि संघ शुरू करने के लिए जाना जाता है. जिसका उद्देश्य किसानों और जरूरतमंद बुजुर्गों की सहायता करना था। जनवरी में गुइझोऊ रेडियो और टेलीविजन पर प्रसारित एक डॉक्यूमेंटरी में झोंग के विवादों का खुलासा हुआ। इसमें बताया गया कि झोंक रिश्वत लेती है। इसके साथ ही उन्होंने अपने पद का इस्तेमाल अपनी पसंदीदा कंपनियों को आकर्षक अनुबंध दिलाने के लिए भी किया। इसमें एक व्यापारी के लिए हाई-टेक औद्योगिक संपत्ति में 170,000 वर्ग मीटर भूमि के विकास को मंजूरी देना शामिल था। बताया जा रहा है कि झोंग का व्यापारी के साथ घनिष्ठ संबंध था। व्यापारी ने बाद में जमीन को रियल एस्टेट विकास के लिए परिवर्तित कर दिया था, जिससे झोंग को बहुत लाभ हुआ। डॉक्यूमेंटरी में एक व्यापारी ने बताया था कि झोंग उन कंपनियों को नजरअंदाज करती है, जिसके साथ उनका व्यक्तिगत संबंध न हो। पिछले साल अप्रैल में गुइझोउ प्रांतीय अनुशासन निरीक्षण और पर्यवेक्षण समिति ने बताया कि झोंग पर गंभीर अनुशासनात्मक और कानूनी उल्लंघन का संदेह है। इसके साथ ही झोंग पर 58 पुरुषों के साथ यौन संबंध बनाने का भी आरोप है। वह ओवर टाइम और बिजनेस ट्रिप के बहाने पुरुषों के साथ समय बिताती थी। अप्रैल 2023 में उसे गिरफ्तार किया गया था।

कस्तूरी बिलाव-चूहों और रैकून कुत्तों से फैला कोरोना; अमेरिकी वैज्ञानिकों ने अध्ययन में किया खुलासा

वाशिंगटन, एजेंसी। कोरोना वायरस जंगल से इंसानों के बीच कस्तूरी बिलाव, चूहे और रैकून कुत्तों के जरिये पहुंचा। चार साल बाद यह खुलासा अमेरिका के वैज्ञानिकों ने एक अध्ययन में किया है जिसमें उन्होंने चीन के वुहान बाजार से एकत्रित नमूनों की जांच की गई है। इसे बाजार में नवंबर 2019 में सबसे पहले कोरोना वायरस का पता चला। मेडिकल जर्नल सेल में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, चीन के वुहान स्थित हुआनान सीफूड होलसेल मार्केट में सबसे पहले कोरोना वायरस का पता चला। इसके बाद साल 2020 में यहां अलग अलग दुकानों से 800 नमूने लिए गए। इन नमूनों की जीनोम सीक्वेंसिंग और अन्य जांच की गई। इस दौरान वैज्ञानिकों ने पाया कि एक दुकान के कोरोना पॉजिटिव सभी नमूनों में वन्यजीव डीएनए दिखाई दिया। जब इस डीएनए का विश्लेषण शुरू हुआ तब इन विशिष्ट प्रजातियों के बारे में पता चला जिनके जरिए कोरोना वायरस जंगल से इंसानों तक पहुंचा।

अमेरिका के एरिजोना विश्वविद्यालय में पारिस्थितिकी और विकासवादी जीव विज्ञान विभाग के प्रमुख प्रो. माइकल वोरोबे ने बताया कि जिनसे कोरोना बाजार तक पहुंचा उनमें से एक कस्तूरी बिलाव संभावित है जिसे गंधमार्जार या गंधबिलाव भी कहते हैं। इसी तरह बांस चूहा भी है जो राइजोमिनी जनजाति का एकमात्र जीवित प्रतिनिधि है।

स्टार हेल्थ के 3.1 करोड़ ग्राहकों का डाटा चोरी, दो चैटबॉट से लीक हुआ, रॉयटर ने जुलाई तक किया डाउनलोड

वाशिंगटन, एजेंसी। स्वास्थ्य बीमा कंपनी स्टार हेल्थ के 3.1 करोड़ ग्राहकों का डाटा चोरी हो गया है। यह डाटा टेलीग्राम पर चैटबॉट के जरिये उपलब्ध है। ग्राहकों के डाटा में नाम, पता, ईमेल, मोबाइल नंबर, टैक्स विवरण, टेस्ट रिपोर्ट और बीमारी के इलाज के साथ-साथ मेडिकल रिपोर्ट जैसी जानकारियां भी हैं। टेलीग्राम के मासिक 90 करोड़ यूजर्स हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, स्टार हेल्थ के ग्राहकों की निजी जानकारी बिक्री के लिए उपलब्ध थी। चैटबॉट का उपयोग कर बीमा पॉलिसी व दावों के दस्तावेज को डाउनलोड किया जा सकता है। स्टार हेल्थ ने कहा, अधिकारियों को कथित अवैध डाटा लीक की सूचना दी गई है। शुरुआती जांच से पता चला है कि डाटा से कोई समझौता नहीं हुआ है और यह सुरक्षित है। ब्रिटेन के सुरक्षा शोधकर्ता जेसन पार्कर ने कहा, स्टार हेल्थ चैटबॉट्स में एक स्वागत संदेश है। यह 6 अगस्त से चालू है। पार्कर ने कहा, उन्होंने एक ऑनलाइन हैकर फोरम पर संभावित खरीदार के रूप में खुद को पेश किया था। वहां जेनजेन नाम के एक यूजर ने कहा कि उसने चैटबॉट बनाए हैं और उसके पास स्टार हेल्थ के 3.1 करोड़ से अधिक ग्राहकों से संबंधित 7.24 टेराबाइट्स डाटा है।

रॉयटर ने डाउनलोड किया जुलाई तक का डाटा : समाचार एजेंसी रॉयटर ने जुलाई, 2024 तक के कुछ कागजातों के साथ 1,500 से अधिक फाइलें डाउनलोड कीं। इसमें कहा गया कि अगर यह चैटबॉट हटा दिया जाता है

तो कुछ घंटों में दूसरा चैटबॉट उपलब्ध होगा। स्टार हेल्थ ने 14 अगस्त को शेयर बाजारों को बताया था कि वह कुछ दावों के डाटा के उल्लंघन की जांच कर रही है। एक अज्ञात व्यक्ति ने 13 अगस्त को उसके कुछ डाटा तक पहुंच होने का दावा किया था। उसके बाद बीमा कंपनी ने इसकी जानकारी साइबर अपराध विभाग को दी। दो चैटबॉट से लीक हुआ डाटा स्टार हेल्थ का डाटा दो चैटबॉट दे रहे हैं। एक पीडीएफ में और दूसरा यूजर्स को एक क्लिक पर पॉलिसी नंबर, नाम और अन्य जानकारी देता है। केरल के एक अस्पताल में पॉलिसीधारक संदीप टीएस की बेटी के इलाज से संबंधित रिकॉर्ड हैकरों ने जारी किया है। इसमें सभी जानकारी के साथ 15,000 रुपये का बिल भी है। संदीप ने कहा, यह सब उन्हीं का डाटा है। चैटबॉट ने पिछले साल पॉलिसीधारक पंकज सुभाष मल्होत्रा का भी दावा लीक किया था। डाटा चैटबॉट के जरिये टुकड़ों में मुफ्त उपलब्ध हैं। हालांकि थोक डाटा के लिए पार्कर से पैसों की मांग की गई।

हसीना के करीबी मंत्री के नाम विदेशों में अरबों की प्रॉपर्टी देश छोड़कर हैं फरार, जांच में जुटी है यूनुस सरकार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के पूर्व मंत्री के द्वारा विदेशों में संपत्ति बनाने का मामला सामने आया है। इस नेता का नाम सैफुजमान चौधरी है, जो पूर्व लैंड मिनिस्टर हैं और शेख हसीना के करीबी बताए जाते हैं। चौधरी ने लंदन, दुबई और न्यूयॉर्क में लग्जरी रियल एस्टेट पर 500 मिलियन डॉलर खर्च किए हैं। हालांकि बांग्लादेश के टैक्स रिटर्न्स में उन्होंने इसका ब्यौरा नहीं दिया है। अल जजीरा की रिपोर्ट में इस बात का खुलासा किया गया है। अल जजीरा की आई-यूनिट ने लंदन में अंडरकवर रहते हुए इसके बारे में पता लगाया।

इसके मुताबिक 55 साल के चौधरी चिटगांव के एक ताकतवर परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उन्होंने लंदन में बड़े पैमाने पर संपत्ति बनाई। जबकि बांग्लादेश के नियमों के मुताबिक कोई भी नागरिक एक साल में 12 हजार डॉलर से ज्यादा की रकम देश से बाहर नहीं ले जा सकता। बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट में वकील शाहदीन मलिक ने अल जजीरा को बताया कि देश के संविधान में इस बात का स्पष्ट उल्लेख है कि नेताओं को अपनी विदेश की संपत्ति के बारे में

जानकारी देना अनिवार्य है।

बांग्लादेश में अधिकारियों ने चौधरी के बैंक खाते सीज कर दिए हैं। अब लंदन में उनकी संपत्तियों की जांच की जा रही है। चौधरी बांग्लादेश के पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के करीबी बताए जाते हैं। शेख हसीना को हाल ही में देश छोड़कर भागना पड़ा था। इसके बाद देश में अंतरिम सरकार का गठन किया गया है। इसके बाद से बांग्लादेश में भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच चल रही है। अल जजीरा के इन्वेस्टिगेशन में पता चला है कि साल 2016 में ही चौधरी ब्रिटेन में 360 घर खरीदने में सक्षम थे। लंदन में उनकी संपत्ति बनाने में कई एजेंटों ने भी भूमिका निभाई है।

लंदन के एस्टेट एजेंट रिपन महमूद ने अल जजीरा के अंडरकवर पत्रकारों को लंदन के सलाहकारों के एक नेटवर्क से मिलवाया। इसने चौधरी को अपनी संपत्ति साम्राज्य बनाने में मदद की। पहले, चार्ल्स डगलस सॉलिसिटर एलएलपी, जिसने 100 से अधिक प्रॉपर्टी लोन के री-फाइनेंसिंग में उनके लिए काम किया। दूसरे परेश राजा, जिन्होंने अपनी कंपनी मार्केट फाइनेंशियल सॉल्यूशंस और अपने अन्य व्यवसायों के माध्यम से सैकड़ों लोन बनाए। इसके अलावा सिंगापुर के बैंक डीबीएस के राहुल मर्डे थी इसमें हैं, जिसने मंत्री को पैसे उधार भी दिए।

चौधरी ने अल जजीरा को बताया कि उनकी विदेशी संपत्तियों को खरीदने के लिए इस्तेमाल किए गए धन बांग्लादेश के बाहर वैध बिजनेस से आते हैं। उनके मुताबिक वह बरसों से इन बिजनेस के मालिक हैं। चौधरी अगस्त में बांग्लादेश से भाग गए थे। उनका दावा है कि वर्तमान सरकार हसीना सरकार के लोगों के पीछे पड़ी हुई है।

उत्तर कोरिया ने फिर भेजा कचरे से भरा गुब्बारा, सोल के सरकारी कॉम्प्लेक्स में गिरा

सोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया का कचरे से भरा गुब्बारा शुक्रवार को दूसरी बार सोल के एक सरकारी परिसर में गिरा। यह गुब्बारा मेन एंट्री गेट के सामने पार्किंग में पाया गया। समाचार एजेंसी योनहाप के अनुसार, यह घरेलू कचरे से भरा था। इसमें हरे रंग का एक प्लास्टिक का टुकड़ा भी शामिल था, जिस पर प्योंगयांग का पता दर्ज था। सैन्य अधिकारियों के पहुंचने से पहले ही फायर फाइटर्स और पुलिस अधिकारियों ने क्षेत्र की घेराबंदी कर दी थी। माना जा रहा है कि यह गुब्बारा दक्षिण कोरिया की तरफ से सीमा पार प्रोपेगेंडा सामग्री भेजे जाने के जवाब में प्योंगयांग की प्रतिक्रिया है। इससे पहले दक्षिण कोरियाई सेना ने 8 सितंबर को प्योंगयांग की ओर से कचरे से भरे गुब्बारों के आने की सूचना दी थी। सोल के मुताबिक यह लगातार पांचवां दिन था, जब उत्तर कोरिया ने गुब्बारे भेजे। संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने कहा कि उत्तर कोरिया ने शनिवार देर रात 200 गुब्बारे उड़ाने के कुछ ही घंटों बाद सुबह करीब 9 बजे अपना गुब्बारा अभियान फिर से शुरू कर दिया। जेसीएस ने कहा, लोगों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता मानते हुए, सेना दृढ़ता और शांतिपूर्वक जवाब देगी। गुब्बारों के प्रक्षेपण के जवाब में, दक्षिण कोरिया की सेना 21 जुलाई से सीमा पर लाउडस्पीकरों के माध्यम से रोज प्योंगयांग विरोधी प्रचार प्रसारित कर रही है। सुरक्षा चिंताओं का हवाला

देते हुए सोल ने गुब्बारों को सीधे मार गिराने से परहेज किया है। मई के अंत से, उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया की तरफ से सीमा पार भेजे गए प्योंगयांग विरोधी पर्चों के जवाब में कचरे से भरे हजारों गुब्बारे उड़ाने शुरू कर दिए थे। इस बीच सोल ने कहा है कि उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल खतरों को देखते हुए दक्षिण कोरिया और अमेरिका अगले सप्ताह नियमित रक्षा वार्ता करेंगे। इस दौरान सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा होगी। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, 25वीं कोरिया-अमेरिका एकीकृत रक्षा वार्ता सोमवार और मंगलवार को सोल में आयोजित की जाएगी। मंत्रालय के मुताबिक, दक्षिण कोरिया के राष्ट्रीय रक्षा नीति उप मंत्री चो चांग-राए और पूर्वी एशिया के लिए अमेरिकी उप सहायक रक्षा सचिव अंका ली वार्ता का नेतृत्व करेंगे।

बांग्लादेश: बैतुल मुकर्रम राष्ट्रीय मस्जिद में झड़प में 50 से अधिक लोग घायल

ढाका, एजेंसी। राष्ट्रीय मस्जिद बैतुल मुकर्रम में पूर्व और वर्तमान ख़तीब (जुम्मा की नमाज़ का उपदेश देने वाला व्यक्ति) के अनुयायियों के बीच झड़प हुई, जिसमें कम से कम 50 लोग घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वर्तमान खतीब मुफ्ती वलीउर रहमान खान जुमे की नमाज से पहले प्रवचन दे रहे थे, तभी पूर्व खतीब मुफ्ती रूहुल अमीन अपने अनुयायियों के साथ मस्जिद में पहुंचे और माइक्रोफोन छीनने का प्रयास किया। इसके कारण खतीब वलीउर और रूहुल के अनुयायियों के बीच टकराव हुआ, जिसके परिणामस्वरूप शारीरिक हमला हुआ जिसमें कई लोग घायल हो गए।

एक समय ऐसा आया जब दोनों पक्षों के अनुयायियों ने मस्जिद के ग्राउंड फ्लोर पर मोर्चा संभाल लिया, जहां इमाम नमाज अदा करते हैं। उस समय वे मस्जिद से जूते और जूतों के डिब्बे सहित विभिन्न वस्तुओं को एक-दूसरे पर फेंक रहे थे और मस्जिद के अंदर तोड़फोड़ कर रहे थे। दोनों समूहों के बीच झड़प के दौरान कई नमाजी अराजकता से परेशान थे जिससे कुछ लोग मस्जिद छोड़कर चले गए। करीब आधे घंटे के बाद पूर्व खतीब मुफ्ती रूहुल अमीन अपने अनुयायियों के साथ विरोध के बीच मस्जिद से चले गए। बाद में कानून लागू करने वालों की मदद से जब माहौल शांत हुआ तो लोग फिर से नमाज अदा करने के लिए मस्जिद में दाखिल हुए। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस के मोतीझील डिवीजन के डिप्टी कमिश्नर शहरियार अली ने कहा कि मस्जिद के अंदर नए और पुराने खतीबों को लेकर कुछ समस्या थी लेकिन कानून प्रवर्तन एजेंसी के सदस्य मौके पर पहुंचे। जैसे ही नमाजी मस्जिद से बाहर निकल रहे थे एक समूह ने अवामी लीग विरोधी नारे लगाने शुरू कर दिए।

नमाजी मस्जिद के सामने सड़क पर इकट्ठा होने लगे, लेकिन बाद में सेना, पुलिस और रैपिड एक्शन बटालियन के जवानों ने उन्हें तितर-बितर कर दिया। 5 अगस्त को अवामी लीग सरकार के पतन के बाद भागे हुए खतीब रूहुल अमीन की वापसी ने स्थिति को और भड़का दिया।

बता दें बैतुल मुकर्रम राष्ट्रीय मस्जिद बांग्लादेश की राष्ट्रीय मस्जिद है, जो राजधानी ढाका के मध्य में स्थित है। इसका अद्वितीय वास्तुशिल्प डिजाइन और ऐतिहासिक महत्व इसे देश में एक प्रमुख मील का पत्थर और इस्लामी गतिविधियों का केंद्र बनाता है। मस्जिद का विचार 1950 के दशक के अंत में आया था। मस्जिद का निर्माण 1960 में तत्कालीन पाकिस्तानी सरकार के संरक्षण में शुरू हुआ था, क्योंकि 1971 में अपनी आजादी से पहले बांग्लादेश पाकिस्तान का हिस्सा था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इस बार और भव्य होगी काशी की देव दीवाली

लखनऊ।इस बार की देव दीवाली पहले से ज्यादा भव्य होगी। यहां के 84 घाटों और शहर के तालाबों के किनारे 12 लाख दीप जलाएंगे। इनमें से 3 लाख दीये गोबर के होंगे। यहां शिव महिमा और मां गंगा पर लेजर शो भी होगा। ग्रीन आतिशबाजी भी लोग देखेंगे। वाराणसी प्रशासन ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। इस बार 15 नवंबर को देव दीवाली पड़ रही है।इस दिन काशी के घाट दीयों से जगमगाएंगे। काशी के अर्धचंद्राकार घाटों व कुंड और जलाशयों में भी दीये जलाएंगे। इस बार लाखों दीयों को जलाने का लक्ष्य रखा है। वहीं ऐतिहासिक घाटों को इलेक्ट्रिक लाइट से भी रोशन करेंगे। गंगा की रेती पर भी दीये जलेंगे। जिससे घाटों से गंगा पार का भव्य नजारा दिखेगा। पर्यटन विभाग के डिप्टी डायरेक्टर ने कहा कि 12 लाख दीयों में 2.5 से 3 लाख गाय के गोबर से बनेंगे। देव दीवाली पर दीये जलाने के लिए काशी के 84 से अधिक घाटों, कुंडो और तालाबों पर योगी सरकार के कई विभाग काम करेंगे। लोगों की सहभागिता के लिए संस्थाओं, सामाजिक संगठनों से भी सहयोग लेंगे। यूपी सरकार ने देव दीवाली को भव्य स्वरूप देने के लिए इसे प्रांतीय मेला घोषित किया है। काशी में देव दीवाली पर लाखों की संख्या में लोग पहुंचते हैं। उनके लिए घाटों पर कई कार्यक्रमों का आयोजन होगा। प्रमुख घाटों पर लेजर शो और ग्रीन आतिशबाजी का आयोजन भी होगा। लेजर शो के माध्यम से गंगा अवतरण और शिव महिमा की कथा दिखायेंगे। गंगा पार रेत पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए प्रदूषण रहित ग्रीन आतिशबाजी होगी।

यूपी-बिहार में बाढ़ जैसे हालात, नदियां उफान पर, देश के कई राज्यों में अलर्ट जारी

नई दिल्ली। यूपी में बारिश के चलते 21 जिलों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। गंगा समेत कई नदियों का जलस्तर बढ़ा गया है। इस कारण काशी और प्रयागराज में सभी घाट पानी में डूबे गए हैं। एटा में नहर कटने से किसान की फसल बर्बाद हो गई है। हरदोई में बाढ़ के चलते दर्जनों स्कूलों को बंद कर दिया गया है। उन्नाव में गंगा खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं, जिससे कई मोहल्लों में पानी भर गया है। सड़कों पर नाव चलाई जा रही है। बिहार में भी गंगा समेत कई नदियों का जलस्तर बढ़ने से पटना, भागलपुर, मुंगेर और बेगूसराय में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई हैं। पटना के एनएच-31 पर रविवार को भी पानी भरा हुआ है। राजस्थान के जैसलमेर के सम इलाके में एक महीने से बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। यहां 350 घर पानी में डूबे हुए हैं। लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने बताया कि यहां 25 साल बाद ऐसी स्थिति बनी है। वहीं मध्य प्रदेश समेत 18 राज्यों में मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। मानसून की विदाई जल्द ही राजस्थान से शुरू हो सकती है। रविवार को मध्य प्रदेश समेत 18 राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इनमें से सात राज्यों में तेज बारिश की संभावना है। केरल और तमिलनाडु में उमस भरी गर्मी से लोग परेशान हो सकते हैं।

लॉरेंस बिश्नोई ने रंगदारी के लिए साउथ दिल्ली में करवाया था मर्डर?

नई दिल्ली। दिल्ली के पॉश इलाके ग्रेटर कैलाश में नादिर शाह नाम के युवक की हत्या के मामले में कुछ नई बातें सामने आ रही हैं। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने दुबई में बैठे कॉल सेंटर माफिया कुणाल छाबड़ा को नोटिस भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया है। अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई भी कुणाल छाबड़ा के खिलाफ जांच कर रही है। नादिर शाह की हत्या में लॉरेंस बिश्नोई गैंग का नाम सामने आया है। साउथ दिल्ली में नादिर शाह की हत्या को लेकर पुलिस का कहना है कि इस हत्याकांड को गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई गैंग ने अंजाम दिया, जिसका फुटेज भी सामने आया था। मृतक नादिर शाह अफगान मूल का था। वो दिल्ली पुलिस स्पेशल के कुछ अधिकारियों का इनफॉर्मर भी था। नादिर के खिलाफ भी दिल्ली पुलिस में कई मामले दर्ज थे। सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली में मौजूद कई सफेदपोश लोगों ने नादिर शाह पर अपनी ब्लैक मनी को व्हाइट करने जिम्मेदारी दी थी। नादिर की हत्या से कई सफेदपोश लोगों के कई सौ करोड़ रुपये डूबने की भी बात कही जा रही है। साउथ दिल्ली में नादिर शाह ने 2 जिम और दुबई में कई होटल खोल रखे थे।जानकारी के अनुसार, एफबीआई ने कॉल सेंटर माफिया कुणाल छाबड़ा के खिलाफ दिल्ली पुलिस को लिखित शिकायत दी थी। कुणाल छाबड़ा के दिल्ली एनसीआर समेत भारत के कई राज्यों में अवैध कॉल सेंटर चलते हैं। आरोप है कि इन कॉल सेंटरों के जरिए अमेरिकन लोगों के साथ ठगी की गई और उनके खातों से डॉलरों पर हाथ साफ किया गया। कुणाल छाबड़ा से कुख्यात गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई ने 10 करोड़ की रंगदारी मांगी थी। रंगदारी न देने पर लारेंस बिश्नोई ने वीडियो कॉल कर जान से मारने की धमकी भी दी थी। माना जा रहा है रंगदारी न देने की वजह से कुणाल के करीबी और पार्टनर नादिर शाह को दिल्ली के ग्रेटर कैलाश में लारेंस बिश्नोई गैंग ने कई गोलियां मारी थीं और इसके बाद सीधा कुणाल छाबड़ा को मैसेज किया था।

कानपुर में ट्रैक पर छोटा गैस सिलेंडर रखकर ट्रेन पलटाने की साजिश नाकाम

कानपुर। देश में ट्रेन पलटने की साजिशें लगातार हो रही हैं।जिन्हे बार बार नाकाम किया जा रहा है।अबकी बार दिल्ली- हावड़ा रेलमार्ग पर महाराजपुर के प्रेमपुर रेलवे स्टेशन के पास ट्रैक पर छोटा गैस सिलेंडर रखकर ट्रेन पलटाने की घटना सामने आई है।हालांकि ट्रेन के लोको पायलट ने ट्रैक के बीच में सिलेंडर रखा देख ट्रेन रोक दी, जिससे कोई हादसा नहीं हुआ।पुलिस और रेल अधिकारी मौके पर हैं। इससे पहले पनकी औद्योगिक क्षेत्र के पास साबरमती एक्सप्रेस का इंजन और 20 बोगी ट्रेन की पटरी से नीचे उतर गए थे। रेलवे ने बताया- गुड्स ट्रेन कानपुर से प्रयागराज की ओर आने के दौरान जब प्रेमपुर स्टेशन पर लूप लाइन पर आ रही थी तो गाड़ी में कार्यरत लोको पायलट देव आनंद गुप्ता एवं सहायक लोको पायलट सीबी सिंह ने सिग्नल से कुछ दूर पहले एक सिलेंडर रखा हुआ देखा। उन्होंने त्वरित कार्यवाही करते हुए इमरजेंसी ब्रेक लगाकर गाड़ी को सिलेंडर से पहले रोक लिया।

जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र को फलता-फूलता देख पाकिस्तान को दर्द हो रहा है: राजनाथ सिंह

पुंछ।(एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 18 सितंबर को जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान में भारी संख्या में हिस्सा लेने के लिए लोगों की रविवार को सराहना की और कहा कि अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को हटाए जाने के बाद केंद्र शासित प्रदेश में लोकतंत्र को फलते-फूलते देख पाकिस्तान के ''पेट में दर्द'' हो रहा है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता सिंह ने नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां), कांग्रेस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) पर अपने घोषणापत्रों में संविधान के अनुच्छेद 370 की बहाली की बात करके लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इन दलों को ''पाकिस्तान के प्रॉक्सी'' के रूप में काम करना बंद कर देना चाहिए। उन्होंने कहा, ''विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 61 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ जो 30 वर्षों में सर्वाधिक है और लोकसभा चुनाव में हुए 58 प्रतिशत के रिकॉर्ड मतदान को भी पीछे छोड़ दिया। दुनिया में यह संदेश गया है कि अनुच्छेद 370 को भारत की बेहतरी के लिए हटाया गया।''

सिंह ने यहां भाजपा उम्मीदवार चौधरी अब्दुल गनी के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, ''लोगों ने लोकतंत्र का झंडा इतना ऊंचा उठा दिया है कि पाकिस्तान के पेट में दर्द हो रहा है। हम पाकिस्तान के साथ दुश्मनी नहीं चाहते, क्योंकि हम अपने सभी पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं। पाकिस्तान अपनी घरेलू समस्याओं से अपने लोगों का ध्यान हटाने के लिए भारत के खिलाफ नापाक हरकतें करता रहता है।''

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के बयान का हवाला देते सिंह ने कहा कि पड़ोसी देश को जम्मू-कश्मीर के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने का अधिकार किसने दिया है। आसिफ ने कहा था कि उनका देश और नेकां-कांग्रेस गठबंधन अनुच्छेद 370 की बहाली पर एक ही राय रखते हैं। सिंह ने कहा, ''मैं नेकां, कांग्रेस और पीडीपी के अपने मित्रों से पूछना चाहता हूं कि क्या आप पाकिस्तान के प्रतिनिधि के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं?''

रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के लोग परेशान हैं और भारत में शामिल होना चाहते हैं। सिंह ने कहा, ''वे (पीओके के लोग) जम्मू एवं कश्मीर में बदलाव और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की प्रगति देख रहे हैं। वे अपनी समृद्धि के लिए भारत में शामिल होने पर विचार कर रहे हैं और वे अब उनके (पाकिस्तान) साथ नहीं रहना चाहते।'' रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत ने कभी भी धर्म के आधार पर लोगों के बीच भेदभाव नहीं किया और पीओके के निवासियों को अपना माना। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कथन ''हम दोस्त बदल सकते हैं, पड़ोसी नहीं'' का हवाला देते हुए सिंह ने कहा कि अगर पाकिस्तान सही रास्ते पर चलता है, तो भारत अपने पड़ोसी देश के साथ अच्छे संबंध रखने को तैयार है। उन्होंने कहा, ''हमें वाजपेयी के शब्दों को नहीं भूलना चाहिए।''

जगन मोहन रेड्डी ने पीएम मोदी से नायडू को फटकार लगाने की मांग की, जाने क्यों?

नई दिल्ली। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के प्रमुख जगन मोहन रेड्डी ने तिरुपति लड्डू में मिलावट के मुद्दे पर रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा। अपने इस पत्र में रेड्डी ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को 'आदतन झूठ बोलने वाला' बताया है। इसी के साथ रेड्डी ने पीएम मोदी से आग्रह किया है कि वह मुख्यमंत्री को फटकार लगाएं क्योंकि उन्होंने राजनीतिक उद्देश्यों के लिए करोड़ों लोगों की आस्था को ठेस पहुंचाने का काम किया है। जगन मोहन रेड्डी ने लिखा, 'चंद्रबाबू नायडू एक रोगग्रस्त और आदतन झूठ बोलने वाले व्यक्ति हैं, जो इस हद तक गिर गए हैं कि उन्होंने विशुद्ध रूप से राजनीतिक उद्देश्यों के लिए करोड़ों लोगों की आस्था को ठेस पहुंचाई है। महोदय, इस समय पूरा देश आपकी ओर देख रहा है। यह जरूरी है कि श्री नायडू को झूठ फैलाने के उनके बेशर्म कृत्य के लिए कड़ी फटकार लगाई जाए और सच्चाई को सामने लाया जाए। इससे श्री नायडू द्वारा करोड़ों हिंदू भक्तों के मन में पैदा किए गए संदेह दूर होंगे और टीटीडी की पवित्रता में विश्वास बहाल होगा।' घटनाक्रम की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि यह ध्यान रखना जरूरी है कि कथित रूप से मिलावटी घी को अस्वीकार कर दिया गया था और उसे टीटीडी के परिसर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी गई थी। हालांकि, नायडू ने दुर्भावनापूर्ण इरादे से 18 सितंबर को एक राजनीतिक पार्टी की बैठक में इस मुद्दे को उठाया।

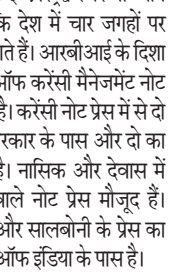

अठावले ने बढ़ाई बीजेपी की मुशकिलें, महाराष्ट्र में मांगी 10-12 सीटें

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र चुनाव को लेकर सहयोगी पार्टी आरपीआई-ए के प्रमुख रामदास अठावले एक बार फिर बीजेपी के लिए सिरदर्द बन सकते हैं। अठावले ने आगमी विधानसभा चुनाव को लेकर अपना रुख साफ कर दिया है और कहा है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में कम से कम 10 से 12 सीटों पर उनकी पार्टी चुनाव लड़ेगी।

आरपीआई-ए प्रमुख अठावले ने बताया कि उनकी पार्टी अपने चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ेगी और विदर्भ क्षेत्र में तीन-चार सीटों की मांग करेगी, जिसमें उत्तर नागपुर, उमरेड (नागपुर), उमरखेड (यवतमाल) और वाशिम क्षेत्र शामिल हैं। बीजेपी हरियाणा में सीट बंटवारे को लेकर पहले से ही मुश्किलों का सामना कर रही है, जहां पार्टी की सहयोगी शिवसेना और एनसीपी की सीट बंटवारे पर अपनी-अपनी इच्छाएं और मांगें हैं।

महायुति गठबंधन में बीजेपी, सीएम एकनाथ शिंदे की पार्टी शिवसेना और अजीत पवार की पार्टी एनसीपी शामिल है और आरपीआई-ए भी इस गठबंधन का हिस्सा है। रामदास अठावले की पार्टी केंद्र में भी बीजेपी की सहयोगी है और ऐसे में बीजेपी के लिए दोहरी समस्या खड़ी हो रही है, जहां पार्टी अकेले अच्छे-खासे सीटों पर चुनाव लड़ने का मन बना रही है। अठावले ने कहा कि हमने 18 संभावित सीटों की सूची बनाई है, जो हम महायुति के साथियों के साथ साझा करेंगे, और हमें उम्मीद है कि हमें कम से कम 10 से 12 सीटें मिलेंगी। अठावले ने बीजेपी-शिवसेना और एनसीपी से उनकी पार्टी को चार-चार सीटें उनके कोटे से देने की मांग की है। उन्होंने इस बात पर भी नाराजगी जताई कि अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के महायुति सरकार में शामिल हो जाने के कारण आरपीआई-ए को राज्य में कोई मंत्री पद नहीं मिला है, जबकि उनसे पहले वादा किया था। अठावले ने राज्य मंत्रिमंडल में स्थान, दो निगमों की अध्यक्षता और जिला-स्तरीय समितियों में भूमिकाएं देने का वादा किया गया था, लेकिन अजीत पवार की एंट्री से उनकी पार्टी इन पदों को पाने से महरूम रह गई। वर्तमान विधानसभा में बीजेपी के 103 विधायक हैं, शिवसेना के 40, एनसीपी के 41, कांग्रेस के 40, शिवसेना (यूबीटी) के 15, एनसीपी (एसपी) के 13 और अन्य 29 हैं और कुछ सीटें अभी खाली हैं।

गायब हो रहे छोटे नोटों से कांग्रेस चिंतित, केंद्र को चिट्ठी लिखकर बताई गरीबों की परेशानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कभी कभी विपक्षी नेता जनहित से जुड़े अच्छे काम भी कर लेते हैं। इस बार छोटे नोटों को लेकर गरीब ग्रामीण परेशान हो रहे हैं। खुल्ले के टोटे से जूझने की वजह ये है कि 10-20 और 50 के नोट बाजार से गायब हो रहे हैं। परेशानी उनकी ज्यादा बढ़ी है जो डिजिटल पेमेंट से दूर हैं। इस समस्या को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिकम टैगोर ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर छोटे नोटों की कमी पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि मार्केट में छोटे नोटों की कमी हो गई है जिसकी वजह से गरीबों को खासी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। टैगोर ने कहा कि 10-20 और 50 के नोटों की कमी की वजह से ग्रामीण और शहरी गरीबों को परेशानी हो रही है।

शनिवार को टैगोर ने अपने पत्र में लिखा, रिपोर्ट्स से पता चला है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने यूपीआई और कैशलेस ट्रांजैक्शन को बढ़ावा देने के लिए इन नोटों को छापना ही बंद कर दिया है। डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने की बात समझ में आती है लेकिन इससे वे लोग प्रभावित हो रहे हैं जो अभी डिजिटल पेमेंट का उपयोग नहीं करते। खास तौर पर ग्रामीण भारत के लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस फैसले से मुद्रा प्राप्त करने के मौलिक अधिकार का भी उल्लंघन होता है। छोटे नोट कम होने की वजह से छोटे कारोबार भी प्रभावित हो रहे हैं। दिहाड़ी मजदूरों, रेहड़ी पटरी वाले कैश पर ही निर्भर होते हैं। उन्होंने वित्त मंत्री से कहा कि आरबीआई को छोटे नोटों की छपाई शुरू करने का निर्देश दिया जाए। इसके अलावा गांवों में डिजिटल पेमेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर पर भी ध्यान दिया जाए। बता दें कि देश में चार जगहों पर कागज के नोट छापे जाते हैं। आरबीआई के दिशा निर्देश पर डिपार्टमेंट ऑफ करेंसी मैनेजमेंट नोट छपाई का काम करता है। करेंसी नोट प्रेस में से दो का स्वामित्व भारत सरकार के पास और दो का रिजर्व बैंक के पास है। नासिक और देवास में भारत के स्मामित्व वाले नोट प्रेस मौजूद हैं। इसके अलावा मैसूर और सालबोनी के प्रेस का स्वामित्व रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के पास है।

एआई तकनीकी पर कुछ कंपनियों के एकाधिकार को लेकर, विश्वव्यापी चिंता

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र संघ में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तकनीकी पर कुछ बहुराष्ट्रीय कंपनियों के एकाधिकार को लेकर विश्व व्यापी चिंता जग जाहिर हुई है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने चेतावनी दी है बहुराष्ट्रीय कंपनियां इसका दुरुपयोग कर सकती हैं। यूएन के एआई सलाहकार निकाय ने जो रिपोर्ट सोंपी है। उसमें आने वाले खतरे और जो कमी है। उसको लेकर नियम बनाने की अनुशंसा की है। निकाय ने 7 अनुशंसा की हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ की शिखर सम्मेलन पर अब इसमें चर्चा शुरू हो गई है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने पिछले वर्ष एआई के खतरों पर विचार करने के लिए 39 सदस्यों की एक सलाहकार समिति गठित की थी। उसने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। रविवार को शिखर सम्मेलन मे इस पर विचार होगा। एआई तकनीकी को विश्वसनीय और निष्पक्ष बनाने के लिए कमेटी ने सात अनुसंसा की है। जिसमें अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल बनाए जाने की बात कही गई है। एआई गवर्नेंस को लेकर नीतिगत संवाद और निर्णय,मानकों का आदान-प्रदान क्षमता और विकास नेटवर्क, एआई के लिए वैश्विक कोष बनाने, वैश्विक डेटा ढांचा, तथा कमेटी की अनुशंसाओं का पालन तथा निकाय के लिए पृथक से कार्यालय की व्यवस्था करने की अनुशंसा की गई है। भारत जैसे देश में एआई के दुरुपयोग होने पर नियंत्रण करने के लिए अभी कोई कानून नहीं है। आईटी कानून या भारतीय न्याय संहिता की धाराओं में यदि मामला दर्ज होगा।

डीजीपी, मुख्य सचिव और एडीजी की अनुपस्थिति वाली समीक्षा बैठक में औचित्यहीन: तेजस्वी यादव

पटना(एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने एक दिन पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई गृह विभाग की समीक्षा बैठक पर सवाल उठाते हुए कहा, ÷ऐसी समीक्षा बैठक का क्या फायदा और औचित्य जिसमें राज्य के डीजीपी (पुलिस महानिदेशक), मुख्य सचिव और एडीजी भी उपस्थित ना रहे।÷पूर्व उपमुख्यमंत्री और वर्तमान में बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यादव ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर राज्य में अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए यह भी कहा कि उपरोक्त अधिकारियों की अनुपस्थिति यह दर्शाती है कि कानून-व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री कितने गंभीर हैं।

मुख्यमंत्री द्वारा गृह विभाग की समीक्षा बैठक के एक दिन बाद रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में यादव ने कहा, ÷कानून व्यवस्था पर मुख्यमंत्री हर बार उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक करने की सिर्फ औपचारिकता पूरी करते है। नीतीश जी का इकबाल यह है कि प्रदेश में ऐसी प्रत्येक समीक्षा बैठक के बाद अपराध में और अधिक वृद्धि होती है क्योंकि अधिकारी एवं अपराधी भी ऐसी बैठकों की असलियत जानते है। अधिकारी भी जानते है कि जब विपक्ष का दबाव बढ़ता है तो दिखावे व औपचारिकता के लिए मुख्यमंत्री अचानक ऐसी बैठक बुला लेते है।

उन्होंने यह भी लिखा, ऐसी समीक्षा बैठक का क्या फायदा और औचित्य जिसमें राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी), मुख्य सचिव और अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) भी उपस्थित ना रहे। शीर्षस्थ अधिकारियों की अनुपस्थिति दर्शाती है कि विधि व्यवस्था पर मुख्यमंत्री जी कितने गंभीर है। राजग सरकार अपराधियों को संरक्षित एवं संपोषित कर बिहारवासियों की जान के साथ खेल रही है। गौरतलब है कि गृह विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने शनिवार को इस बात पर जोर दिया था कि कानून का शासन राजग सरकार की 'सर्वोच्च प्राथमिकता' है।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के एक बयान के अनुसार, कुमार ने कहा था कि सरकार कानून-व्यवस्था से कोई समझौता नहीं करेगी और लापरवाह पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को रात्रि गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए तथा वरिष्ठ अधिकारियों से अपने-अपने संबंधित क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने संगठित आपराधिक गिरोहों के खिलाफ कार्रवाई के भी आदेश दिए तथा इस संबंध में आवश्यक उपाय किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कानून-व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए राज्य पुलिस में विभिन्न श्रेणियों में 2,29,139 नये पदों के सृजन की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री बताया कि वर्तमान में लगभग 1,06,436 पुलिस कर्मी सेवारत हैं तथा शेष रिक्तियों को भरने के प्रयास जारी हैं।

अमेरिका में पीएम मोदी के खिलाफ लगे पोस्टरों के लिए राहुल गांधी को ठहराया जिम्मेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ पोस्टर लगाए गए। इस पर भाजपा ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। भाजपा ने इसका पूरा दोष कांग्रेस नेता राहुल गांधी के ऊपर मढ़ दिया है। पार्टी प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि हाल ही में राहुल गांधी अमेरिका से लौटकर आए हैं, मैं कहना चाहूंगा कि भारत विरोधी शक्तियों के स्थापित और प्रायोजित मोहरों के साथ भारत के विरुद्ध होने वाली सियासत की जमात पर जो गलबहियां करके वो आए हैं, मुझे लगता है यह उसका आफ्टर इफेक्ट दिखाई दे रहा है। यह वही नफरती जमात है, जिनकी नफरत की इस दुकान में निंदनीय विज्ञापन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरुद्ध दिखाई दे रहा है।

सुधांशू ने टाइमलाइन का जिक्र करते हुए कहा कि राहुल गांधी भारत विरोधी ताकतों का सहारा लेकर भारत विरोधी सियासत को ताकत दे रहे हैं। फिर चाहे अंकल सैम से हों, या कोई भी हो और अधिक दुख इस बात का होता है कि उस प्रधानमंत्री के लिए है, जिसने भारत को 10 वर्षों में फ्रेजाइल फाइव से टॉप-5 इकोनॉमी में पहुंचाया है। जिसने 26 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। जिसने डिजिटल वर्ल्ड में भारत को सिरमौर बनाया, जिसने आंतरिक और बाह्य सुरक्षा इतनी सुधारी कि 10 साल पहले भारत का कोई ऐसा राज्य या बड़ा शहर नहीं था, जहां आतंकी हमले ना होते हो। पीएम मोदी ने भारत को वहां से निकाला, आत्मरक्षा में भारत को मजबूत बनाया। नरेंद्र मोदी एकमात्र प्रधानमंत्री हैं, जिसे मॉर्निंग कंसल्ट ने लगातार विश्व के लोकप्रिय नेता के रूप में माना है।उन्होंने कहा कि अफसोस की बात यह है कि एक तरफ हमारे ऐसे प्रधानमंत्री जो हर भारतवासी के लिए भारत के गौरव, राष्ट्रीय अस्मिता और राष्ट्रवाद के एक महामेरु पर्वत के रूप में दिखाई पड़ते हैं, तो वहीं दूसरी तरफ यह नफरती दुकान का इश्तेहार उनके ऊपर निम्न स्तरीय प्रहार करने का प्रयास दिखता है। ऐसे विज्ञापन देने वाले लोग जो भले ही मुखौटा कोई और लगाएं हों, मगर सारा देश समझ रहा है कि पीछे से वह किसके द्वारा संचालित हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों के लिए वह कहना चाहेंगे कि, राष्ट्रवाद के महामेरु पर वार बहुत ही हल्का है और भारत विरोधी ताकतों में ये घबराहट का तहलका है।

तिरुपति के प्रसादम जैसा ही मामला शिरडी में भी हुआ था, खूब मचा था बवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। तिरुपति के प्रसादम में पशुओं की चर्बी का मामला गरम हो रहा है ठीक वैसा ही 12 साल पहले शिरडी में भी हुआ था। उस समय कई श्रद्धालुओं ने आरोप लगाया था कि मंदिर में प्रसाद के रूप में जो लड्डू मिलता है, उसमें मिलावट है। भक्तों की शिकायत थी कि इस लड्डू की क्वालिटी बहुत खराब है। कुछ भक्तों ने तो यह आरोप भी लगाया कि इससे बदबू आती है। उस समय भी तिरुपति बालाजी की तरह शिरडी में प्रसाद बनाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले देशी घी की क्वालिटी पर भी सवाल उठाए गए थे। देश के कोने कोने से भक्त साईं बाबा के दरबार में माथा टेकने आते हैं और मंदिर की ओर से मिलने वाले लड्डू को प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं। वे इसे लेकर घर भी जाते हैं और अपने परिवार के सदस्यों और जान-पहचान वालों में बांटते हैं। लेकिन प्रसाद में मिलावट की इस खबर से लोगों की आस्था को चोट पहुंची थी।

शिरडी के साईं बाबा के मंदिर में उस समय रोज तकरीबन 50 क्विंटल तक प्रसाद बनता था। प्रसाद का सामान टेंडर के जरिये मंगाया जाता था। कुछ भक्तों ने लड्डू की खराब क्वालिटी की ओर तो ध्यान आकर्षित किया ही, उसके अलावा सत्यनारायण प्रसाद के लिए बने सूजी के हलवे की क्वालिटी की भी शिकायत की थी। शिकायतों के बाद, जिले के शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ मंदिर ट्रस्ट की समिति के सदस्यों ने भी पाया कि लड्डू का स्वाद खराब था। उन्होंने तब घी निर्माता और आपूर्तिकर्ता के खिलाफ कार्रवाई का संकेत दिया था। प्रसाद की खराब क्वालिटी के बारे में यह शिकायत पहली बार नहीं की गई थी। इससे पहले 2009 में भी लड्डुओं में बदबू का मामला सामने आया था। उस दिन बने लगभग डेढ़ लाख लड्डुओं को नष्ट कर दिया गया था ताकि उन्हें खाकर कोई बीमार न पड़े। उस समय इन लडडुओं को खाने वाले भक्तों को उल्टियां होने लगी थीं। इसमें इस्तेमाल किए गए घी पर सवाल उठे थे।

तिरुपति बालाजी के लड्डू इन दिनों चर्चा में हैं। एक जांच में यह पाया गया है कि इन लड्डुओं में जानवरों की चर्बी मिलाई जाती थी। इस खुलासे के बाद से ही न केवल आंध्र प्रदेश की राजनीति गरमाई हुई है, बल्कि दुनिया भर में करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था को भी ठेस पहुंची है। इस बीच आपको ये बता दें कि शिरडी साईं बाबा के मंदिर में मिलने वाले प्रसाद में भी एक बार मिलावट का आरोप लग चुका है।रिपोर्ट के अनुसार प्रसाद के बारे में एक भक्त ने कहा था, हम यहां कई बार आ चुके हैं, लेकिन प्रसाद के रूप में इस बार जो लड्डू मिला है, उसका स्वाद कुछ कड़वाहट भरा है। एक और भक्त ने कहा कि यह आस्था का मामला है, इसलिए कोई भी कुछ कहने से संकोच कर रहा है। लेकिन स्वाद में कसैलापन काफी दिनों से महसूस किया जा रहा था। शिकायत के बाद फूड एंड अडल्टरेशन विभाग ने साईं बाबा मंदिर की रसोई पर छापा मारा था। एफडीए टीम ने मंदिर में प्रसाद तैयार करने के लिए इस्तेमाल किए गए घी के नमूने एकत्र किए, जिन्हें परीक्षण के लिए भेजा गया। जांच में क्या निकला ये तो पता नहीं चल सका। लेकिन तब लगभग साढ़े चार लाख लड्डुओं को नष्ट किया गया था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नवसारी के नसीलपुर गांव के पास एक घायल तेंदुए ने आवासीय क्षेत्र में घुसकर आतंक मचा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सीसीटीवी फुटेज सामने आई है जिसमें तेंदुआ कुछ लोगों के पीछे कुत्ते की तरह दौड़ते हुए हमले की कोशिश कर रहा है। यह तेंदुआ दो दिन पहले एक दुर्घटना में घायल हुआ था, जिसके बाद वन विभाग की टीम ने उसे पकड़ने की पूरी कोशिश की, लेकिन वह सफल नहीं हो सकी।

तेंदुआ एक वाहन से टकराकर घायल हो गया था और फिर वह रिहायशी इलाके में घुस गया। इस दौरान तेंदुए ने जीना पटेल नामक एक महिला पर हमला करने की कोशिश की। जीना ने बताया कि वह अस्पताल से घर लौट रही थीं, तभी तेंदुए ने अचानक उन पर हमला किया। सौभाग्य से, पास में रहने वाले लोग उन्हें अपने घर के अंदर खींचकर ले गए, जिससे उनकी जान बच गई। हालांकि, इस घटना में उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया।

सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि घायल तेंदुआ सड़क पर मौजूद लोगों के पीछे कुत्ते की तरह दौड़ता हुआ हमला करने का प्रयास कर रहा है। कई लोग उसे देखकर भागने लगे, और यह पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई। हालांकि, तेंदुए से मुठभेड़ के दौरान कोई जनहानि नहीं हुई।

वन विभाग की टीम ने पूरी रात तेंदुए को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन घायल होने के बावजूद तेंदुआ भागने में कामयाब रहा और पास के गन्ने के खेत में छिप गया। तेंदुए के इंसानों पर हमले का कारण जानने के लिए शोध कर रहे विशेषज्ञ मोहम्मद नवाज के अनुसार, तेंदुआ केवल तब हमला करता है जब उसे खतरा महसूस होता है।

नकली नोट छापने वाले तीन आरोपियों को पकड़ा

ऑनलाइन कपड़े के कारोबार की आड़ में

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सरथाणा इलाके में ऑनलाइन कपड़े के कारोबार की आड़ में नकली नोट छापने वाले तीन आरोपियों को पकड़ा गया है। सरथाणा योगी चौक स्थित एप्पल स्क्वायर बिल्डिंग में ऑनलाइन कपड़ों के व्यापार की आड़ में नकली नोट छापने का धंधा चल रहा था। शनिवार को एसओजी (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) ने छापा मारकर १.५ लाख रुपये की १०० रुपये के नकली नोट बरामद किए हैं। इस दौरान राहुल, भावेश और पवन नाम के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने कंप्यूटर, स्कैनर, लैपटॉप, मोबाइल और प्रिंटर समेत कुल २ लाख रुपये का सामान जब्त किया है।

एसओजी के अनुसार, ये गिरोह नकली नोट बनाने के लिए ऑनलाइन मंगवाए गए कागज का इस्तेमाल कर रहा था। ऐसा अनुमान है कि इस गिरोह के तार बिहार तक फैले हो सकते हैं। शनिवार को नकली नोटों की डिलीवरी से पहले एसओजी ने तीनों आरोपियों को दुकान से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी १०० रुपये के नकली नोट इसलिए बनाते थे ताकि किसी को शक न हो और ये नोट आसानी से बाजार में चल सकें। इसके लिए वे विशेष कार्ट्रिज का इस्तेमाल करके नोटों की प्रिंटिंग करते थे।

पुलिस ने चोरी की गुत्थी सुलझाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सचिन पुलिस स्टेशन में दर्ज ट्रैक्टर और डीजल वाला पानी का ट्रॉली पंप चोरी के मामले का पर्दाफाश कर दिया गया है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है और चोरी किया गया सारा माल बरामद कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार, सूरत के सचिन पुलिस स्टेशन में ट्रैक्टर और डीजल वाले पानी के ट्रॉली पंप की चोरी का मामला दर्ज हुआ था। इस मामले में सचिन पुलिस ने अलग-अलग दो मामलों की जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने चोरी की गुत्थी सुलझाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने ६.१० लाख का माल बरामद किया सचिन पुलिस की टीम ने आरोपी सलीम सुल्तान मणिहार और राहुल जुलपुकार ठाकुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से ६ लाख रुपये की कीमत का ट्रैक्टर और डीजल वाला पानी का ट्रॉली पंप बरामद कर कुल ६.१० लाख का सामान जब्त किया है। पुलिस ने दोनों मामलों का पर्दाफाश कर इस मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

अग्रवाल विकास ट्रस्ट जयंती महोत्सव में ''हाउजी अग्र महल की'' मेघा म्यूजिक का आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अग्रवाल विकास ट्रस्ट द्वारा महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में ''हाउजी अग्र महल कीज्ज मेघा म्यूजिक हाउजी का आयोजन दो भाग में शनिवार एवं रविवार को किया गया. ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद पोद्दार ने बताया की इस मौके पर सिटी-लाइट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस के द्वारका हॉल को राजमहल की थीम पर सजाया गया. शाम छः बजे से आयोजित कार्यक्रम में होस्ट आर जे मीत के अलावा तीन सिंगर और लाइव बैंड की प्रस्तुति के साथ

हाउजी खिलाई गई. आयोजन में भाग लेने वाले १००० से ज्यादा प्रतियोगी राजा-महारानी की थीम पर तरह के परिधान (ड्रेसप) में आये और प्रत्येक गाने के दौरान डांस भी किया. हाउजी दो पार्ट में खेला गया और प्रत्येक पार्ट के विजेताओं को ट्रस्ट द्वारा विभिन्न केटेगरी में ईनाम दिए गए. अग्रवाल विकास ट्रस्ट द्वारा जयंती महोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम में ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष संजय सरावगी, उपाध्यक्ष प्रमोद कंसल, सचिव अनिल शोरेवाला, सहकोषाध्यक्ष रमेश अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, महिला शाखा अध्यक्षा सोनिया गोयल, युवाशाखा अध्यक्षा प्रशांत अग्रवाल सहित ट्रस्ट के अनेकों सदस्य एवं युवा एवं महिला शाखा के अनेकों सदस्य उपस्थित रहें.

कामनाओं के दमन का प्रयास करे मानव : मानवता के मसीहा महाश्रमण

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के वर्तमान अधिशास्ता, मानवता के मसीहा आचार्यश्री महाश्रमणजी की मंगल सन्निधि में रविवार को केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री तथा भाजपा के गुजरात राज्य प्रदेशाध्यक्ष श्री सी.आर. पाटिल उपस्थित हुए. उन्होंने आचार्यश्री को वंदन कर पावन आशीर्वाद प्राप्त करने के उपरान्त आचार्यश्री की मंगलवाणी श्रवण भी करने के साथ ही अपनी भावनाओं को भी अभिव्यक्ति दी. आचार्यश्री ने उन्हें पावन पाथेय भी प्रदान किया.

र ा ु ग प ृ ध ा ा न ा

आचार्यश्री महाश्रमणजी ने रविवार को महावीर समवसरण में उपस्थित श्रद्धालुओं को अपनी अमृतवाणी का रसपान कराते हुए कहा कि आयारो आगम में बताया गया है कि काम का अतिक्रमण करना मुश्किल होता है. काम शब्द का प्रयोग अनेक प्रकार के कार्यों के संदर्भ में होता है तो काम एक अर्थ कामना के संदर्भ में भी होता है. इन्द्रिय विषय के संदर्भ में भी काम शब्द का प्रयोग होता है. यहां कामना के संदर्भ में प्रयोग किया गया है. कामना होती है तो आदमी पदार्थों का संग्रह करता है, पदार्थों का परिग्रह रखता है.

इच्छा काम के अंतर्गत सोना, चांदी आदि पदार्थों को प्राप्त करना, धन, मकान, पदवी आदि आते हैं. दूसरा बताया गया मदन काम. शब्द, रूप, रस, गंध, स्पर्श आदि की कामना मदन काम है. काम अनंतकाल से प्राणी के भीतर रहती है. इसलिए इस काम का पार पाना मुश्किल भी होता है. इच्छाओं को कम करना, लोभ का क्षय तथा संतोष को धारण करना बड़ा कठिन काम होता है.

लोभ को पाप का बाप कहा जाता है. कितने-कितने पापों के जड़ में लोभ ही होता है. लोभ के कारण हिंसा में जा सकता है. लोभ के कारण आदमी झूठ बोल सकता है, छल-कपट कर सकता है. यहां तक कि लोभ के कारण आदमी किसी की हिंसा भी कर सकता है. इस कारण काम दु:ख का भी बहुत बड़ा कारण है. कामनुवृद्धि के कारण शरीर और मन दोनों को दु:खी बनाने वाला हो सकता है. जो प्राणी वीतराग बन जाता है, वह दु:ख का पार पा सकता है. काम अध्यात्म की साधना में परित्याज्य होता है। साधना की गहराई में जाने से कामनाओं का पार भी पा सकता है. आदमी को अपनी इच्छाओं को नियंत्रित करने का प्रयास करना चाहिए. भौतिक इच्छाओं की सीमा रखनी चाहिए. स्वदार, भोजन व धन में संतोष रखने का प्रयास करना चाहिए तथा अध्ययन, जप और दान में संतोष नहीं करना चाहिए.

आचार्यश्री की मंगल सन्निधि में केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री व गुजरात भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष श्री सी.आर. पाटिल पहुंचे. उन्होंने आचार्यश्री को वंदन कर आशीष प्राप्त करने के उपरान्त उन्होंने अपनी भावनाओं को अभिव्यक्तकरते हुए कहा कि हमारे आंगन में पूज्य संत आचार्यश्री महाश्रमणजी का पावन चतुर्मास हो रहा है, यह हम सभी के लिए परम सौभाग्य की बात है. आपके आगमन से यहां की जनता आह्लादित है. मैंने आपकी कीर्ति और ख्याति तो बहुत सुन रखी थी आज दर्शन का अवसर प्राप्त हुआ है. आपकी विकट पदयात्रा और जनकल्याण का जो कार्य किया है, वह अद्वितीय है. आपने अभी दान में संतोष नहीं करने की जो प्रेरणा दी है, वह भी समाज के लिए कल्याणकारी है. आप तो लोगों को नीति पर चलने का राह भी दिखाते हैं. राजनीति में तो लोगों को सेवा की भावना से आना चाहिए. मेरा मानना है कि जो आदमी धर्म को नहीं मानता, वह अनीति का कार्य करने में डरेगा नहीं, और धर्म में आस्था रखने वाला होगा तो वह नीति पर चलेगा, जिससे देश और समाज का भला हो सकेगा. आपने नशामुक्ति के जन-जन को उत्प्रेरित किया है. ऐसे महात्मा जो समाज के हित के विषय में सोचते हैं. मैं ऐसे आचार्यश्री को बारम्बार प्रणाम करता हूं.

स्मीमेर अस्पताल परिसर में ३२.०७ करोड़ रुपये की लागत से बने G+16 मंजिला नए पी.जी. हॉस्टल का उद्घाटन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत महानगर पालिका द्वारा संचालित स्मीमेर अस्पताल परिसर में पोस्ट ग्रेजुएशन के छात्रों की सुविधा के लिए ३२.०७ करोड़ रुपये की लागत से बने G+16 मंजिला नए पी.जी. हॉस्टल का उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने इसका लोकार्पण किया।

केंद्रीय मंत्री पाटिल ने इस अवसर पर कहा कि सूरत नगर निगम ने स्वच्छता, बुनियादी ढांचे, वायु गुणवत्ता सर्वेक्षण, आवास योजना जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं।

सूरतवासियों के सहयोग से शहर का विकास और ऊंचाइयों पर पहुंचेगा। स्मीमेर अस्पताल के परिसर में यह आधुनिक सुविधाओं से युक्त ४५ मीटर ऊंचा हॉस्टल बिल्डिंग सूरत की पहली इमारत है। इसमें कुल १९२ कमरे हैं, जिसमें लगभग ४०० छात्र रह सकते हैं। इस हॉस्टल में छात्र अपने अध्ययन पर और बेहतर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से शुरू किए गए 'कैच द रेन' और 'रेन वाटर हार्वेस्टिंग' अभियान को गति देने के लिए स्मीमेर अस्पताल के परिसर में जल संग्रहण के लिए ११ इकाइयां बनाई गई हैं, जिससे बारिश का पानी भूमिगत जल स्तर को बढ़ाने में मदद करेगा।

इस अवसर पर विधायक संदीपभाई देसाई, संगीताबेन पाटिल, मनुभाई पटेल, मेयर दक्षेश मवानी, उप मेयर नरेंद्र पाटिल, और अन्य कई गणमान्य व्यक्ति और नागरिक उपस्थित थे।